सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

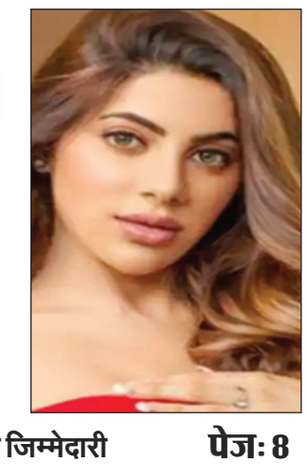

रेस्टोरेट या बाहर का खाना खाने से अब नही बढेगा वजन पेज: 7

शो छोड़ना आसान है। पर अपना जिम्मेदारी पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 336 | बुधवार 18 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

कायरतापूर्ण और अमानवीय

काबुल पर एयरस्ट्राइक में 400 लोगों की मौत; भारत ने पाक को लताड़ा

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान की ओर से अफगानिस्तान के काबुल के ओमिद एडिक्शन ट्रीटमेंट हॉस्पिटल पर किए गए क्रूर हवाई हमले की कड़ी निंदा की है। इस हमले में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए हैं। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि इस अपराध के दोषियों को जवाबदेह ठहराया जाए। इसके साथ ही भारत ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना जाहिर की है और अफगानिस्तान के लोगों के साथ एकजुटता जताई है।ये कायराना हरकत है: विदेश मंत्रालय

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने जारी बयान में कहा कि भारत पाकिस्तान के इस क्रूर हवाई हमले की पूरी तरह निंदा करता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस हमले को किसी भी तरह से सैन्य लक्ष्य नहीं माना जा सकता। अस्पताल में मरीजों का इलाज चल रहा था, लेकिन पाकिस्तान ने इसे निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर आम नागरिकों की जान ली है। पाकिस्तान अब इस नरसंहार को सैन्य अभियान

का नाम देकर छिपाने की कोशिश कर रहा है। भारत ने इसे अफगानिस्तान की संप्रभुता पर सीधा हमला बताया है। यह क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए बड़ा खतरा है। पाकिस्तान का यह व्यवहार उसकी लापरवाही की पुरानी आदत को दिखाता है। वह अपनी आंतरिक कमियों को छिपाने के लिए बार-बार सीमा पार हिंसा का सहारा लेता है।

- भारत ने काबुल के ओमिद एडिक्शन ट्रीटमेंट हॉस्पिटल पर पाकिस्तान के हवाई हमले की कड़ी निंदा की है। इस क्रूर हमले में सैकड़ों लोगों की जान गई और कई घायल हुए।

भवानीपुर से ममता-शुभेंदु की लड़ाई तय

टीएमसी ने जारी की 291 उम्मीदवारों की सूची

नई दिल्ली: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 291 सीटों के लिए पार्टी के उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। इस सूची के साथ ही राज्य में चुनावी मुकाबले की तस्वीर साफ होने लगी है। ममता बनर्जी ने कोलकाता के कालीघाट स्थित अपने आवास से उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की और कहा कि पार्टी इस बार भी जीत की परंपरा को बनाए रखने के लिए पूरी ताकत से चुनाव मैदान में उतरेगी।ममता बनर्जी ने उम्मीदवारों की घोषणा करते हुए कहा कि पार्टी ने इस बार अनुभव और नए चेहरों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है। सूची में कई मौजूदा विधायकों को फिर से मौका दिया गया है, जबकि कुछ सीटों पर नए चेहरों को उतारा गया है। खास बात यह है कि इस बार भी भवानीपुर सीट पर ममता बनर्जी खुद चुनाव लड़ेंगी, जहां उनका मुकाबला भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी से होने की संभावना जताई जा रही है। भवानीपुर में क्यों अहम है मुकाबला?

दरअसल, पिछले विधानभसभा चुनाव में ममता बनर्जी दो सीटों से चुनावी मैदान में उतरी थीं। एक नंदीग्राम और दूसरी भवानीपुर विधानसभा। नंदीग्राम में ममता का मुकाबला भाजपा नेता शुभेंदु से था। यहां वो शुभेंदु से चुनाव हार गईं थीं। हालांकि भवानीपुर से उन्होंने जीत हासिल की थी। इस बार यहां मुकाबला अहम है। क्योंकि भाजपा ने इस बार नंदीग्राम के साथ भवानीपुर से भी शुभेंदु अधिकारी को प्रत्याशी बनाया है। ऐसे में कई सवाल उठ रहे हैं। क्या नंदीग्राम में ममता को हराने वाले शुभेंदु ममता के गढ़ में उनको हरा पाएंगे या फिर भाजपा का ये दांव शुभेंदु को ही उलटा पड़ जाएगा।

मनोज तिवारी को टिकट नहीं, कुनाल घोष पहली बार मैदान में

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार सूची में कई अहम बदलाव देखने को मिले हैं। पार्टी ने इस बार कुछ पुराने चेहरों को टिकट नहीं दिया है, जबकि

कई नए नामों को मौका मिला है। पूर्व क्रिकेटर और मंत्री मनोज तिवारी को इस बार पार्टी ने उम्मीदवार नहीं बनाया है। पार्टी ने इस बार कनई मंडल को भी टिकट नहीं दिया है। वहीं, टीएमसी ने मदन मित्रा को फिर उम्मीदवार बनाया है, लेकिन उनका निर्वाचन क्षेत्र बदल दिया गया है। तृणमूल के प्रवक्ता कुनाल घोष को बेलघाटा सीट से टिकट दिया गया है और वह पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

52 महिलाओं को मिला टिकट

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की सूची में महिलाओं और आरक्षित वर्गों को अहम जगह दी है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि टीएमसी ने 52 महिलाओं को टिकट दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य में 84 सीटें एससी-एसटी के लिए आरक्षित हैं, लेकिन पार्टी ने 95 उम्मीदवार उतारे हैं। इनमें 78 एससी और 17 एसटी वर्ग के उम्मीदवार शामिल हैं। उत्तर बंगाल की सीटों पर भी दांव

उत्तर बंगाल के कई जिलों में भी तृणमूल कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार घोषित किए हैं। मालतीपुर से अब्दुर रहीम बख्शी, इंग्लिशबाजार से आशीष कुंडू और सुजापुर से सबीना यास्मीन को टिकट मिला है। जंगीपुर से जाकिर हुसैन और मुर्शिदाबाद से सायनी सिंह रॉय को उम्मीदवार बनाया गया है। इसके अलावा खग्राम से आशीष मरजित और कांडी से अपूर्व सरकार को मैदान में उतारा गया है।

भाजपा और चुनाव आयोग पर भी साधा निशाना

इस दौरान ममता ने चुनाव आयोग पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा के पक्ष में अच्छा खेल रहा है। ममता ने कहा कि अगर आयोग भाजपा की मदद ही कर रहा है तो उसे सीधे भाजपा के लिए चुनाव प्रचार करना चाहिए।

नवरात्र मेले की तैयारियों, सुरक्षा, सुविधाओं की समीक्षा की: योगी आदित्यनाथ

जल जीवन मिशन की धीमी प्रगति पर सीएम नाराज

मीरजापुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को मीरजापुर का दौरा किया। मां विंध्यवासिनी के दर्शन-पूजन के बाद उन्होंने अष्टभुजा डाक बंगले में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक में जल जीवन मिशन की धीमी प्रगति को लेकर मुख्यमंत्री की नाराजगी स्पष्ट रूप से देखी गई। उन्होंने अधूरे कार्यों और अधिकारियों की लापरवाही पर कड़ी चेतावनी दी और निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। मुख्यमंत्री ने वासंतिक नवरात्र मेले की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के साथ-साथ श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि वाहनों की पार्किंग के लिए पर्याप्त व्यवस्था की जाए ताकि जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। मेला क्षेत्र और पूरे जनपद को प्लास्टिक मुक्त करने के साथ-साथ डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन की व्यवस्था को भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि श्रद्धालुओं को साफ-सुथरा वातावरण मिल सके।मुख्यमंत्री ने पशुओं की मौत के मामलों में लापरवाही के लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराने की बात कही। उन्होंने गोवंशीय पशुओं की तस्करी और अवैध वध के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, उन्होंने निमार्णाधीन मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय का भी निरीक्षण किया और कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता पर जोर देते हुए परियोजना को निर्धारित समय में पूरा करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाना चाहिए, ताकि लोगों को जल संकट का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही, नवरात्र मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीरजापुर में अपने दौरे के दौरान विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए।

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीरजापुर दौरे पर माँ विंध्यवासिनी के दर्शन के बाद अधिकारियों संग बैठक की। उन्होंने जल जीवन मिशन की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताई और समय पर कार्य पूरे करने के निर्देश दिए।

शिवराज सिंह चौहान ने राज्यसभा में किया बड़ा ऐलान

8 सांसदों का निलंबन खत्म

लोकसभा ने मंगलवार को ध्वनि मत से आठ विपक्षी सांसदों का निलंबन रद्द कर दिया। संसदीय कार्य समिति के सदस्य किरेन रिजिजू ने यह प्रस्ताव पेश किया, जब कांग्रेस के मुख्य सचेतक के. सुरेश ने कुछ सदस्यों की 'अनजाने में हुई गलती' पर खेद व्यक्त किया। समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव और राष्ट्रीय कम्युनिस्ट पार्टी (एसपी) की सुप्रिया सुले ने भी इसका समर्थन किया। इसके बाद सदन केंद्रीय रेल मंत्रालय के लिए 2026-27 के अनुदान प्रस्तावों पर चर्चा जारी रहा। वहीं, राज्यसभा 18 मार्च को सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों को विदाई देगी। सदन के सदस्यों को भाषण देने की अनुमति देने के लिए प्रश्नकाल और शून्यकाल का सत्र नहीं होगा।लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल में सदस्यों से संक्षिप्त प्रश्न पूछने और मंत्रियों से छोटे जवाब देने का अपना आग्रह दोहराते हुए मंगलवार को कहा कि क्या मंत्री संक्षिप्त जवाब देने की कोशिश नहीं कर सकते। प्रश्नकाल में सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री तेलुगुदेशम पार्टी (तेदेपा) के सदस्य जीएम हरीश बालयोगी के पूरक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। इसके साथ ही ओम बिरला ने सरकार से सांसदों के अलग-अलग समूह बनाकर उन्हें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर विस्तृत जानकारी देने को कहा जिस पर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वह अध्यक्ष के आदेश का पालन करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि सरकार देश में एकीकृत खेती के मॉडल पर काम कर रही है जिससे छोटी जोत वाले किसानों को भी फायदा होगा।

कानून मंत्रालय की रिपोर्ट

सुप्रीम कोर्ट में 3500 से अधिक जनहित याचिकाएं लंबित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में वर्तमान में 3,500 से अधिक जनहित याचिकाएं (PIL) पेंडिंग में है। इनमें से 698 याचिकाएं 10 साल से अधिक समय से लंबित है। सबसे पुराने मामले पर 42 साल से फैसला नहीं हुआ है। अधिकांश जनहित याचिकाएं पर्यावरण, भूमि कानूनों और कृषि किरायेदारी से संबंधित हैं। कई तो ऐसे मामले हैं जिसमें याचिकाकताओं की मृत्यु हो चुकी है, लेकिन कानूनी प्रक्रिया अब भी जारी है।

कुल लंबित मामलों की संख्या 80,000 के पार

कानून मंत्रालय द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, न्यायालय के डॉकेट में कुल लंबित मामलों की संख्या 80,000 को पार कर गई है। पिछले पांच सालों में 1,872 जनहित याचिकाओं का निपटारा करने के बावजूद यह बैकलॉग कम होने का नाम नहीं ले रहा है।रउ में कुल 3,525 जनहित याचिकाएं पेंडिंग

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने पिछले हफ़्ते लोकसभा को बताया कि 10 मार्च तक रउ में कुल 3,525 जनहित याचिकाएं पेंडिंग थीं। ढक्कछ के निपटारे में लगने वाला औसत समय पता नहीं है। मेघवाल ने कहा कि 2014 के बाद से सबसे ज्यादा पेंडिग जनहित याचिकाएं की गई हैं।मेघवाल ने कहा कि 2014 के बाद से दायर लंबित जनहित याचिकाओं में सबसे अधिक संख्या 2025 में दायर की गई 570 याचिकाओं की है, इसके बाद 2019 में दायर की गई 347, 2020 में दायर की गई 306 और 2026 में दायर की गई 293 याचिकाओं का स्थान आता है।

सुप्रीम कोर्ट में फैसले के लिए पेंडिंग सबसे पुरानी ढक्कछ 1984 में फाइल की गई थी, दो और PIL 1985 से पेंडिंग हैं, तीनों टउ मेहता बनाम यूनियन ऑफ इंडिया हैं, दो एनवायरनमेंटल कानूनों से जुड़ी हैं और एक हाउसिंग और बिल्डिंग म्युनिसिपल कानूनों से जुड़ी है। अदालत की अवमानना से संबंधित दो जनहित याचिकाएं- इकबाल अंसार बनाम श्री कल्याण सिंह में मोहम्मद हाशिम (मृतक) और असलम भूरे बनाम एसबी चौहान - क्रमशः 1995 और 1996 से लंबित हैं। इन जनहित याचिकाओं को दायर करने वाले कई लोग अपने मामलों के लंबित रहते हुए ही दुनिया से विदा हो चुके हैं।

जयशंकर का बड़ा बयान

होर्मुज स्ट्रेट में भारतीय जहाजों के लिए ईरान से कोई 'ब्लैंकेट डील' नहीं

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्पष्ट किया है कि ईरान के साथ होर्मुज स्ट्रेट के जरिये भारतीय ध्वज वाले जहाजों के आने-जाने के लिए कोई " ब्लैंकेट अरेंजमेंट" यानी व्यापक व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि हर जहाज का मूवमेंट एक अलग घटना है। फाइनेंशियल टाइम्स को दिए एक साक्षात्कार में जयशंकर ने बताया कि नई दिल्ली और तेहरान के बीच बातचीत के परिणामस्वरूप दो भारतीय ध्वज वाले टैंकर शिवालिक और नंदा देवी इस महत्वपूर्ण शिपिंग मार्ग से गुजरे हैं। यह दोनों टैंकर लगभग 92,712 टन एलपीजी ला रहे हैं।उन्होंने ब्रसेल्स में कहा- "मैं इस समय उनसे बातचीत कर रहा हूं और मेरी बातचीत के कुछ नतीजे भी

निकले हैं।" उन्होंने आगे कहा कि बातचीत अभी भी जारी है। रॉयटर के अनुसार, जयशंकर ने कहा कि ईरान के साथ प्रत्यक्ष वार्ता होर्मुज स्ट्रेट के माध्यम से शिपिंग को फिर से शुरू करने का सबसे प्रभावी तरीका है। ईरान द्वारा फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित एक संकरे समुद्री परिवहन मार्ग यानी होर्मुज स्ट्रेट को लगभग अवरुद्ध कर दिए जाने के बाद वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में उछाल आया है। वैश्विक तेल और एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से होकर गुजरता है। पश्चिम एशिया क्षेत्र भारत की ऊर्जा खरीद का एक प्रमुख स्त्रोत रहा है।जयशंकर ने यह भी खंडन किया कि भारत ने जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की अनुमति देने के लिए ईरान को कुछ दिया है। उन्होंने कहा, "यह एक एक्सचेंज का मुद्दा नहीं है।" उन्होंने कहा कि भारत और ईरान के बीच एक संबंध है। पश्चिम एशिया में चल रही जंग दुर्भाग्यपूर्ण है।

निर्वाचन आयोग

पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग का बड़ा एक्शन

19 सीनियर आईपीएस अफसरों का तबादला

नई दिल्ली आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों में तेजी आने के साथ ही, चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में 19 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के तबादलों का एक नया दौर शुरू किया है। प्रमुख तबादलों में, आईपीएस अधिकारी राजेश कुमार सिंह को दक्षिण बंगाल का नया अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) नियुक्त किया गया है। के. जयरामन उत्तर बंगाल के एडीजी का कार्यभार संभालेंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार, दोनों अधिकारी 1997 बैच के हैं। कई नए पुलिस आयुक्तों की तैनाती भी महत्वपूर्ण शहरी क्षेत्रों में की गई है। प्रणव कुमार अब पश्चिम बर्धमान जिले के आसनसोल-दुर्गापुर के पुलिस आयुक्त के रूप में कार्यभार संभालेंगे। अखिलेश कुमार चतुर्वेदी को हावड़ा का पुलिस आयुक्त बनाया गया है, जबकि अमित कुमार सिंह उत्तर 24 परगना के बैरकपुर जिले के प्रमुख होंगे। सुनील कुमार यादव को हुगली जिले के चंदननगर का पुलिस आयुक्त बनाया गया है। इसके अलावा, चुनाव आयोग ने कई जिलों के नेतृत्व में फेरबदल के आदेश दिए हैं। 12 जिलों में नए पुलिस अधीक्षकों की नियुक्ति की गई है। पुष्पा बारासात, जसप्रीत सिंह कूच बिहार और सूर्य प्रताप यादव बीरभूम में कार्यभार संभालेंगे। कुमार सनी राय को हुगली ग्रामीण में तैनात किया गया है, जबकि ईशानी पॉल डायमंड हार्बर की देखरेख करेंगी। सचिन को मुर्शिदाबाद और अलकनंदा भवाल को बसीरहाट में नियुक्त किया गया है। अन्य नियुक्तियों में अनुपम सिंह को मालदा, अंशुमन साहा को पूर्वी मेदिनीपुर और सुरिंदर सिंह को जंगीपुर में नियुक्त किया गया है। राकेश सिंह इस्लामपुर के पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्य करेंगे और पापिया सुल्ताना को पश्चिम मेदिनीपुर में नियुक्त किया

गया है। कोलकाता में वाईएस जगन्नाथराव को पुलिस उपायुक्त (केंद्रीय) नियुक्त किया गया है। चुनाव आयोग ने निष्पक्ष चुनाव कराने की प्रतिबद्धता जताई है। चुनाव आयोग ने तबादलों को तत्काल लागू करने का निर्देश दिया है और अनुपालन की रिपोर्ट 18 मार्च को सुबह 11 बजे तक देनी होगी। स्थानांतरित किए गए अधिकारियों को चुनाव संबंधी कार्य नहीं सौंपे जाएंगे। अपने रुख की पुष्टि करते हुए एक अधिकारी ने कहा कि चुनाव आयोग पारदर्शी, भयमुक्त, हिंसामुक्त और प्रलोभनमुक्त चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। चुनाव तिथियों की घोषणा के बाद आयोग द्वारा की गई पिछली कार्रवाइयों के बाद यह फेरबदल किया गया है। मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीना का तबादला किया गया, जबकि पुलिस महानिदेशक पीयूष पांडे और कोलकाता पुलिस आयुक्त सुप्रतिम सरकार को उनके पदों से हटा दिया गया। पश्चिम बंगाल विधानसभा की 294 सीटों के लिए चुनाव दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होने हैं। मतगणना 4 मई को होगी।

संपादकीय

कचरे का बोझ

सुप्रीम कोर्ट की इस गंभीर चिंता से सहमत हुआ जा सकता है कि ठोस कचरे का निस्तारण एक पर्यावरणीय मुद्दा मात्र नहीं है बल्कि यह जन-स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिये भी गंभीर चुनौती है। निस्संदेह, जब हम विकसित भारत के व्यापक लक्ष्य हासिल करने की बात करते हैं तो नागरिक जीवन से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन भी एक अनिवार्य शर्त है। निस्संदेह, देश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एक बड़ी नागरिक चुनौती बनी हुई है। देश के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र, कचरे के पहाड़ों से दबे लैंडफिल, अनुचित अपशिष्ट के अलग-अलग न होने तथा कचरे के प्रभावी निपटान की चुनौती से जूझ रहे हैं। ठोस कचरा निस्तारण से जुड़े नये नियम लागू होने से कुछ सप्ताह पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने देश में दशकों पुराने ठोस अपशिष्ट उपचार नियमों के अनुपालन में कोताही को लेकर चिंता व्यक्त की है। अदालत का मानना है कि बढ़ते कचरे का बोझ नागरिक जीवन की सुगमता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रहा है। वहीं दूसरी ओर अमृत यानी अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन तथा स्मार्ट सिटीज जैसी प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन में खामियों को उजागर किया है। यही वजह है कि न्यायालय ने समस्या की गंभीरता को महसूस करते हुए नियमों को सख्ती से लागू करने तथा स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही तय करने की बात कही है। सही मायनों में यह समय की भी जरूरत है। दरअसल, शीर्ष न्यायालय ने स्थानीय निकायों और निर्वाचित प्रतिनिधियों मसलन पार्षदों व कॉर्पोरेटरों को दायित्व दिया है कि वे क्षेत्र के नागरिकों में स्वच्छता व ठोस कचरे के निस्तारण हेतु जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की पहल करें। जनजागरण से ही विकट होती समस्या के निस्तारण में मदद मिल सकती है। इस दिशा में नरमी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। प्रारंभिक चरण में दायित्व निर्वहन में विफल रहने पर जुमार्ना विकल्प हो सकता है। वहीं बार-बार नियमों का उल्लंघन करने कानूनी कार्रवाई अपरिहार्य है। निस्संदेह, ऐसे मामलों में शून्य सहिष्णुता स्वच्छता और ठोस कचरे के निस्तारण में प्रभावी भूमिका निभा सकती है। साथ ही लापरवाह अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करना कर्तव्य की अनदेखी करने पर कड़ा संदेश दे सकती है।

चिंतन-मनन

दुःखी होने की बजाय दुख का उपचार करें

लोगों से अपने सुना होगा कि संसार में दुःख ही दुःख है। असफलता मिलने पर कई बार आप भी यही सोचते होंगे, जबकि वास्तविकता इससे भिन्न है। संसार में दुःख इसलिए है क्योंकि संसार में सुख है। अगर सुख नहीं होता तो दुःख का अस्तित्व भी नहीं होता है। ईश्वर हमें दुःख की अनुभूति इसलिए करवाता है ताकि हम सुख का एहसास कर पाएं, सुख के महत्व को समझें। श्रीमद्भागवद् में कहा गया है कि हमारा हर कर्म सुख पाने के लिए होता है। इसके बावजूद भी जीवन में कई बार हमें दुःख और कष्ट की अनुभूति होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सुख और दुःख धूप-छांव एवं दिन और रात की तरह हैं। हम चाहें न चाहें दुःख को आना है। भगवान राम, श्री कृष्ण, बुध और महावीर को भी दुःख उठाना पड़ा। लेकिन इन महापुरूषों ने दुःख को गले लगाकर नहीं रखा बल्कि दुःख का उपचार किया।

दुःख रात के समान है। रात के अंधेरे को दूर करने के लिए सूर्य जिस तरह निरंतर प्रयास करता रहता है और नियत समय पर रात के अंधकार को पराजित करके दिन का प्रकाश ले आता है, इसी तरह हमें भी दुःख को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। दुःख से दुःखी होकर बैठने से दुःख और बढ़ता है लेकिन जब हम समाधान के लिए प्रयास करने लगते हैं तो दुःख का अंधेरा छंटने लगता है।

दुःख से हम जितना डरते हैं दुःख हमें उतना ही डराता है। अगर कोई यह सोचता है कि मृत्यु के बाद दुःख का अंत हो जाता है तो गरूड़ पुराण उसे जरूर पढ़ना चाहिए। गरूड़ पुराण में मृत्यु के बाद प्राप्त होने वाले कष्टों का वर्णन किया गया है। मृत्यु के बाद जीव को और भी कष्ट उठाना पड़ता है क्योंकि वहां तो शरीर भी नहीं होता है जिससे अपने दुःख का उपचार किया जा सकता है। सीता का हरण करके रावण ने राम को दुःख दिया। राम जी ने धैर्य से काम लिया और रावण जो उनके कष्ट का कारण था उसका पता लगाकर उसका अंत किया। पाण्डवों का सारा राज्य कौरवों ने छल से छीन लिया। पाण्डव अगर हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते और दुःख का उपचार नहीं करते तो इतिहास में उनकी वीरता और साहस का बखान नहीं मिलता। इसलिए दुःख से दुःखी होने की बजाय दुःख का उपचार करना चाहिए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भारत की खुशहाली और आर्थिक मजबूती का आधारः केंद्रीय उत्पाद शुल्क

दिलीप कुमार पाठक

भारत की आर्थिक प्रगति के पीछे उन हजारों हाथों का योगदान है, जो देश के राजस्व को मजबूत करने के लिए दिन-रात काम करते हैं। इन्हीं प्रयासों को सम्मान देने और आम जनता को कर व्यवस्था के प्रति जागरूक करने के लिए हर साल 24 फरवरी को देश में एक विशेष अवसर के रूप में इस दिन को मनाया जाता है। यह समय हमारे देश की वित्तीय व्यवस्था के लिए एक मील का पत्थर है, क्योंकि इसी दिन साल 1944 में केंद्रीय उत्पाद शुल्क और नमक कानून बनाया गया था। भले ही आज के दौर में टैक्स की प्रणालियां बदल गई हों और जीएसटी ने एक बड़ा स्थान ले लिया हो, लेकिन देश की तरक्की में उत्पाद शुल्क का महत्व आज भी कम नहीं हुआ है। एक आम नागरिक के मन में अक्सर यह सवाल आता है कि आखिर टैक्स चुकाने से उसे क्या मिलता है। इसका जवाब बहुत ही सरल और सुंदर है। जब देश की फैक्ट्रियों में सामान बनता है और उस पर सरकार को शुल्क मिलता है, तो वही पैसा घूमकर समाज के कल्याण के लिए वापस आता है। हमारे गाँव और शहरों को जोड़ने वाली पक्की सड़कें, अंधेरे को दूर करती बिजली की रोशनी, सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज और देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों के आधुनिक हथियार, यह सब उसी कर के पैसे से संभव हो पाता है जो एक जिम्मेदार उद्यमी और नागरिक द्वारा चुकाया जाता है। इस प्रकार, कर का भुगतान करना केवल एक कानूनी काम नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर राष्ट्र की सेवा करने जैसा है।

इसी संदर्भ में यह समझना भी जरूरी है कि एक मजबूत कर प्रणाली ही देश की आंतरिक सुरक्षा और बाहरी खतरों से निपटने की शक्ति प्रदान करती है। जब सरकार के पास पर्याप्त संसाधन होते हैं, तभी नई तकनीकों और आधुनिक बुनियादी ढांचे पर निवेश किया जा सकता है। यह राजस्व ही है जो आपदाओं के समय राहत कार्य चलाने और देश के करोड़ों गरीब परिवारों तक मुफ्त राशन और जरूरी सुविधाएं पहुँचाने में मदद करता है। बिना मजबूत वित्तीय आधार के कोई भी देश अपने नागरिकों के सपनों को पूरा नहीं कर सकता। इसलिए, उत्पाद शुल्क केवल एक सरकारी उगाही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का एक सशक्त माध्यम भी है, जो उद्योगों से कर लेकर समाज के पिछड़े वर्गों के उत्थान में खर्च किया जाता है। समय के साथ सरकारी कामकाज के तरीकों में भी बड़ा बदलाव आया है। आज का दौर डिजिटल क्रांति का है और अब टैक्स चुकाने के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने या लंबी कतारों में खड़े होने की जरूरत नहीं रह गई है। सरकार ने पूरी प्रक्रिया को इतना सरल और पारदर्शी बना दिया है कि कोई भी व्यापारी घर बैठे अपना हिसाब-किताब पूरा कर सकता है। इससे न केवल भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है, बल्कि व्यापार करने में भी आसानी हुई है। यह समय उन अधिकारियों और कर्मचारियों के परिश्रम को भी सलाम करने का है, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि देश का खजाना सुरक्षित रहे और कहीं भी राजस्व की चोरी न हो। इसके साथ ही, हमें यह भी समझना होगा कि कर के माध्यम से एकत्र किया गया धन आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ईंधन की तरह काम करता है। जब हमारे उद्योग जगत में पारदर्शिता बढ़ती है, तो विदेशी निवेश भी भारत की ओर आकर्षित होता है। यह निवेश न केवल नई फैक्ट्रियां लगाता है, बल्कि देश के लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करता है। हमारी आर्थिक नीतियां तभी सफल हो सकती हैं जब राजस्व विभाग और करदाता के बीच विश्वास का एक मजबूत रिश्ता हो। यही विश्वास आने वाले समय में भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक मंच पर और भी ऊंचा स्थान दिलाएगा।

किसी भी महान राष्ट्र का निर्माण केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि वहां के नागरिकों की ईमानदारी से होता है। जब हम ईमानदारी से टैक्स चुकाते हैं, तो हम भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाते हैं। यह अवसर हमें यही सीख देता है कि हमें अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाना चाहिए। कर की चोरी न केवल अपराध है, बल्कि यह देश के विकास की गति को रोकने जैसा है। एक पारदर्शी और मजबूत कर व्यवस्था ही एक स्वस्थ समाज और शक्तिशाली भारत की पहचान है। आज जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब ऐसी संस्थाओं और व्यवस्थाओं की भूमिका और भी बढ़ जाती है। विकसित भारत का सपना तभी सच होगा जब हर व्यक्ति अपने हिस्से की जिम्मेदारी समझेगा। आइए, आज हम यह संकल्प लें कि हम कर चोरी जैसी बुराइयों को खत्म करने में सहयोग करेंगे और एक ईमानदार करदाता बनकर देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेंगे। हमारी छोटी सी ईमानदारी ही कल के समृद्ध भारत की सबसे बड़ी ताकत बनेगी'

मुफ़्त रेवड़ी आवंटन फिक्रमंद अदालत बेफिक्र सरकार?

तनवीर जाफ़री

हमारे देश की राजनीति में नेताओं की सत्ता लोलुपता से देश की आर्थिक स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। केंद्र सरकार से लेकर अनेक राज्य सरकारों द्वारा मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिये ऐसी ऐसी योजनायें शुरू की गयी हैं जिनका सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। आज देश के ऐसे कई राज्य जोकि भारी कर्ज और बजट घाटे में होने के बावजूद चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन, मुफ़्त रसोई गैस आदि बाँट रहे हैं। कहीं बैंक कर्ज मुआफ कर दिया जाता है। यहाँ तक कि अब तो कुछ राज्यों में चुनाव से ठीक पहले मतदाताओं के खातों में नकद धनराशि भी हस्तानांतरित की जा रही है। मतदाताओं को मुफ़्त रेवड़ी बांटने की इस कवायद का दूरगामी प्रभाव यह होता है कि इससे सरकारों के पास विकास कार्यों हेतु व बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पैसे नहीं बच पाते। परन्तु यह निखट्टू लोगों की राजनीति में सक्रियता का ही परिणाम है कि इन सत्तालोलुप लोगों को केवल मतदाताओं के वोट अपने पक्ष में करने व सत्ता में बने रहने के लिये राज्यों का भारी कर्ज में डूबना भी मंजूर है और राज्य का बजट घाटे में जाना भी स्वीकार है।

परन्तु सत्ता की इसी तरह की गैर जिम्मेदाराना योजनाओं पर देश की उच्च अदालतें कई बार अपनी चिंतायें जाहिर कर चुकी है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायलय की एक बेंच द्वारा की गयी ऐसी ही एक ताजातरीन तल्ख टिप्पणी गत 19 फरवरी को एक बार फिर सामने आयी जो गैर जिम्मेदार सत्ताधीशों के लिये आँखें खोलने वाली हैं। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत द्वारा यह टिप्पणी उस समय की गयी जब तमिलनाडु सरकार द्वारा सभी उपभोक्ताओं को मुफ़्त बिजली देने के प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी। इस दौरान सर्वोच्च न्यायलय ने मुख्य रूप से यह कहा कि -कई राज्य पहले से ही भारी कर्ज और बजट घाटे में हैं, फिर भी चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन , रसोई गैस, कैश ट्रांसफर जैसी मुफ़्त सुविधाएं बांट रहे हैं। इससे विकास और बुनियादी ढांचे के लिए पैसे नहीं बचते। अगर सरकारें लोगों को सुबह से शाम तक सब कुछ मुफ़्त देती रहेंगी, तो लोग काम क्यों करेंगे? इससे काम करने की आदत खत्म हो जाएगी और लोग आलसी बन जाएंगे। गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन अमीर-गरीब में फर्क किए बिना सबको मुफ़्त सुविधाएं देना गलत है। यह एक तरह की तुष्टीकरण नीति है, जो राष्ट्र निर्माण में बाधा डालती है।

इतना ही नहीं बल्कि माननीय अदालत ने सरकार से यह भी पूछा कि आप किस तरह का कल्चर बना रहे हैं? अदालत ने चेतावनी देते हुये कहा कि विकास के लिए एक पैसा भी नहीं बचेगा अगर यह सिलसिला जारी रहा। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकारों को रोजगार सृजन पर फोकस करने की सलाह दी, न कि सिर्फ मुफ़्त चीजें बांटने पर। यह सुनवाई के दौरान की गई मौखिक टिप्पणियां थीं, जो फ्री बीज कल्चर पर कोर्ट की बढ़ती चिंता को दिखाती हैं। पूर्व में भी मुफ़्त रेवड़ी आवंटन को लेकर न्यायालय अपनी चिंतायें जाहिर कर चुकी हैं। 2022-2024 के दौरान भी अदालत ने मुफ़्त की रेवड़ी बांटने को चुनावी लालच देने से जोड़ते हुये कहा था कि यह लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए नुक़्सानदेह है। अदालत ने यह भी बार-बार कहा कि कल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंदों के लिए तो ठीक हैं, लेकिन अनुचित मुफ़्त वादे विकास को रोकते हैं। गोया सर्वोच्च न्यायालय मुफ़्त रेवड़ी कल्चर को न केवल आर्थिक बोझ बता चुका है बल्कि इसे काम की संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के खिलाफ भी माना है। यह आलोचना समय-समय पर दोहराई जाती रही है, खासतौर पर तब जबकि राज्य सरकारें चुनावों से पहले ऐसी योजनाएं घोषित करती हैं। केवल अदालतें ही नहीं बल्कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 2022 में रेवड़ी कल्चर को खतरनाक बता चुके हैं।

यही मुफ़्त रेवड़ी कल्चर गत अक्टूबर 2025 में बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान तो अनैतिकता की अपनी सारी हदें पार कर गया। याद रहे कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का शेड्यूल 6 अक्टूबर 2025 को घोषित हुआ था और उसी दिन चुनाव आचार संहिता भी लागू हो गयी थी। परन्तु चुनाव आचार संहिता की धज्जियाँ उड़ाते हुये बिहार की नितीश सरकार ने अक्टूबर-नवंबर 2025 में कई बार महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपये डायरेक्ट ट्रांसफर कर दिये। बिहार में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत चुनाव घोषित होने के बाद भी महिलाओं के खातों में पैसे ट्रांसफर किये जाने पर काफी विवाद भी हुआ था। परन्तु चुनाव पर इसका असर यह हुआ नीतीश कुमार की अगुवाई में एन डी ए ने बिहार के 2025 के विधान सभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल की। कई विश्लेषकों ने दावा किया कि महिला मतदाताओं के खातों में 10-10 हजार रुपये डायरेक्ट ट्रांसफर करने के कारण महिलाओं की मतदान दर बढ़ी क्योंकि महिलाओं को इसका सीधे फायदा मिला।

परन्तु विपक्षी दलों ने इसे चुनावी रिश्वत या वोट खरीदने की कोशिश करार दिया था । कुछ सांसदों ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर शिकायत की थी कि यह चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन है और निष्पक्ष चुनाव को प्रभावित करता है। कुछ विपक्षी नेताओं ने इसी रेवड़ी के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें चुनाव को रद्द करने और नए चुनाव कराने की मांग की गई। और इसे संविधान और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 (भ्रष्ट आचरण) का उल्लंघन बताया। इसी तरह भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ़्त राशन योजना चलाई जा रही है जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत संचालित होती है। यह योजना कोरोना महामारी के दौरान शुरू हुई थी, लेकिन अब इसे स्थायी रूप से विस्तारित कर दिया गया है। सरकारी दावों के अनुसार 1 जनवरी 2024 से अगले 5 वर्षों (यानी दिसंबर 2028 तक) के लिए सरकार ने लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ़्त खाद्यान्न प्रदान करने का फैसला किया है। वर्तमान में लगभग 80 करोड़ लोग इस योजना के तहत मुफ़्त राशन प्राप्त कर रहे हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य सुरक्षा योजनाओं में से एक है। आलोचकों का कहना है कि इस योजना से भी जहाँ लोगों में मुफ़्तखोरी की संस्कृति बढ़ेगी वहीँ इस मुफ़्त रेवड़ी का लाभ सत्ता को मिलेगा। बड़ा आश्चर्य है कि आज इस मुफ़्त रेवड़ी आवंटन को लेकर अदालतें तो फिक्रमंद हैं जबकि सरकार पूरी तरह बेफिक्र है?

जाति संघर्ष का सर्वसमावेशी समाधान वक्त की जरूरत

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी के दिशा-निदेर्शों से ना सिर्फ जाति विमर्श केंद्र में आ गया है, बल्कि हिंदू समाज जातीय खांचे में बंटता नजर आ रहा है। आर्थिक और शैक्षिक विकास की वजह से जाति विभाजन की जो रेखाएं मध्यम पड़ने लगी थीं, वे एक बार फिर गहरी होती नजर आ रही है। मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू होने के बाद जैसा स्पष्ट विभाजन हिंदू समाज में दिख रहा था, कुछ उसी राह पर एक बार फिर समाज बढ़ता दिख रहा है। जाति के तवे पर राजनीतिक रोटी सेंकने वाले कुछ दल यूजीसी की गाइडलाइन को लागू करने के लिए छात्रों के बीच जाति विमर्श की आंच को हवा दे रहे हैं तो इस गाइडलाइन के विरोध में खड़े सवर्ण समाज के लोग भी अपने समाज के छात्रों को लामबंद करने में प्राणपण से जुटे हुए हैं। मंडल आयोग की रिपोर्ट के बाद जिस तरह नया राजनीतिक विमर्श खड़ा हुआ, जिससे कुछ राजनीतिक दलों और शख्सियतों को उभरने का मौका मिला, कुछ वैसे ही हालात एक बार फिर बनते दिख रहे हैं। अगर यूजीसी गाइडलाइन का सर्वसमावेशी हल नहीं खोजा गया तो हिंदुत्व की राजनीति पर भी असर पड़ सकता है। हिंदू एकता का सपना भी खतरे में पड़ सकता है।

राजनीति के बारे में एक धारणा है। सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक विकास ने जाति विभाजन को जहां कमजोर किया, वहीं राजनीति इसे जिंदा करने में सफल हुई है। सामाजिक यात्रा में पिछड़ी रह गई जातियों के उत्थान के नाम पर राजनीति ने जाति विमर्श को केंद्र में लाने का सबसे बड़ा योगदान विश्वनाथ प्रताप सिंह को जाता है, जिन्होंने देवीलाल के राजनीतिक रसूख को काबू में करने के लिए 1990 में मंडल आयोग की रिपोर्ट पर पड़ी धूल को झाड़ा और उसे लागू कर दिया। पैंतीस साल पहले के उस फैसले ने समाज को बुरी तरह विभाजित कर दिया। मंडल आयोग के खिलाफ तकरीबन समूचा उत्तर भारत धधक उठा था। सवर्ण समुदाय के छात्रों और नौजवानों को अपना भविष्य अंधकारमय नजर आने लगा था। उन्होंने खुद को आग के हवाले करना शुरू कर दिया। विश्वनाथ प्रताप सिंह कविता भी करते थे। कवि को लेकर धारणा है है कि वह कोमल हृदय का स्वामी होता है। लेकिन आग की लपटों के बीच धू-धूकर जवानी को जलती देखकर भी कवि हृदय प्रधान मंत्री नहीं पसीजे थे। उस दौर के शरद यादव सवर्ण समाज के कटु आलोचक और पिछड़ावादी राजनीति के प्रबल पैरोकार के रूप में उभरे। मंडल आयोग की रिपोर्ट से समाज के बीच जो खाई पैदा हुई, बाद की राजनीति ने उसे और ज्यादा चौड़ा और गहरा ही किया है।

पिछड़ों को आरक्षण को समाज ने स्वीकार कर लिया था, तभी दूसरे सवर्ण और मनमोहन सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह ने साल 2006 में उच्च शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए आरक्षण की शुरूआत कर दी। इसके विरोध में एक बार फिर युवा राजनीति उभरी। यूथ फॉर इक्वलिटी के बैनर तले दिल्ली में इस फैसले के खिलाफ युवा सड़कों पर उतर पड़े। इस आंदोलन के चलते भी सामाजिक विभाजन बढ़ा। शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में आरक्षण के विरोधी समुदायों और इसके समर्थक समुदायों के बीच एक बार फिर विभाजक रेखा गहरी हुई। इससे भी देश उबर रहा था कि यूजीसी की गाइडलाइन आ गई और फिर से एक बार भारतीय समाज गहरे अंतरद्वंद्व और सामाजिक संघर्ष से जूझने लगा। यह संघर्ष अभी समाज में सीधे तो नहीं दिख रहा, लेकिन विश्वविद्यालयों के परिसर इसके चलते उबल रहे हैं। एक तरफ इस गाइडलाइन के समर्थक हैं तो दूसरी तरफ उसके विरोधी।

आज पिछड़ावाद, दलितवाद, अल्पसंख्यकवाद और महिलावाद का जोर है। इन तबकों के उभार के विचार को सामाजिक न्याय करीब साढ़े तीन दशकों से स्वीकार किया जा रहा है। इन वादों को सामाजिक लोकवृत्त यानी पब्लिक स्फीयर के केंद्र में लाने का विचार समाजवादी राजनीतिक दलों का रहा है, लेकिन इसे मूर्त रूप में लाने वाले कांग्रेसी मूल के राजनेता ही रहे हैं। समाजवादी दलों के ही परोक्ष समर्थन से पहली बार तीस मई 1933 को बिहार के मौजूदा रोहतास जिले के करगहर में त्रिवेणी संघ की स्थापना हुई थी। जिसमें कोइरी यानी कुशवाहा, कुर्मी और यादव जातियों के नेता साथ आए थे और पिछड़ावादी राजनीति की नींव डाली थी। एक तरह से जातिवादी राजनीति की नींव आजादी के पहले ही पड़ गई थी। मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करते वक्त विश्वनाथ प्रताप सिंह भले ही जनता दल नामक समाजवादी विचारधारा वाले दल के नेता थे, लेकिन महज तीन साल पहले तक वे कांग्रेसी थे। अर्जुन सिंह भी कांग्रेसी ही थे। आज राहुल गांधी भी जाति जनगणना को लेकर उत्साहित नजर आते हैं। पता नहीं राहुल गांधी को पता है या नहीं, अर्जुन सिंह और विश्वनाथ प्रताप सिंह को जानकारी जरूर रही होगी। राहुल गांधी की दादी के पिता और देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 27 जून 1961 को देश के मुख्यमंत्रियों के नाम तीस पैराग्राफ का एक लंबा खत लिखा था। उसके चौबीसवें से छब्बीसवें पैरे में नेहरू ने आज की जाति आधारित आरक्षण को एक तरह से नकार दिया है। उस चिट्ठी में उन्होंने भारत को बनाने को लेकर उनकी जो सोच रही, उसका गहन जिक्र किया है। इस पत्र में नेहरू स्पष्ट रूप से अपने विचार को जाहिर करते हैं। वे आरक्षण आधारित विकास और समाज नहीं चाहते थे, बल्कि ज्ञान केंद्रित समाज का विकास चाहते थे। नेहरू के लिखा था, 'मुझे किसी भी रूप में आरक्षण पसंद नहीं है। खासकर नौकरियों में आरक्षण। मैं ऐसे किसी भी कदम के खिलाफ हूं जो अक्षमता को बढ़ावा देता है और हमें औसत दर्जे की ओर ले जाता है।'

यूजीसी की गाइडलाइन का विरोध कर रहे लोग अगर आज यही बात कहें तो उन्हें सामाजिक न्याय का विरोधी माना जाएगा। मंडल आयोग की रिपोर्ट पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आने के बाद से जिस तरह का राजनीतिक विमर्श स्थापित हुआ, उसमें सवर्ण समाज अपने लोगों के विकास और आरक्षण विरोध की बात करने की हिम्मत नहीं दिखा पाता था। ऐसा करने से उसे दकियानूस माने जाने का खतरा नजर आता था। इसलिए उसने चुप्पी साधे रखी। लेकिन बाद के वर्षों में एससी-एसटी कानून का सवर्ण समाज के खिलाफ जारी दुरूपयोग ने सामाजिक रूप से आगे माने जाते रहे वर्णों और जातियों को मौका मिला। बाढ़ का पानी जब नाक तक पहुंच जाता था, तब व्यक्ति उससे बचाव के लिए छटपटाने लगता है। सवर्ण समाज के लिए यूजीसी की गाइडलाइन नाक तक पहुंचा बाढ़ का पानी है। उसी पानी से बचाव की छटपटाहट ही है कि गाइडलाइन के खिलाफ समूचे देश के सवर्ण समाज में गहन क्षोभ और गुस्सा नजर आ रहा है। अब सवर्ण समुदाय के नौजवान तर्क देने से हिचक नहीं रहे कि जब पिछड़ावाद हो सकता है, दलितवाद प्रगतिशील विचार हो सकता है, अल्पसंख्यकवाद सामाजिक न्याय का प्रतीक हो सकता है तो ब्राह्मणवाद या सवर्णवाद दकियानूस क्यों? सवर्ण समुदाय के बच्चों का कहना है कि माना कि उनके पूर्वजों ने गलती की तो उसकी सजा हम क्यों भुगतें। ध्यान देने की बात है कि राममंदिर आंदोलन के बाद सवर्ण समाज ने पूरी तरह बीजेपी का दामन थाम लिया। उसे बीजेपी में अपनी दबी भावनाओं की अभिव्यक्ति की राह दिखती रही है। लेकिन यूजीसी की गाइडलाइन से वह भौंचक्क रह गया। यही भौंचक्कापन अब गुस्से के रूप में नजर आ रहा है। सत्ता पर निगाह जमाए बैठे विपक्षी दल पर्दे के पीछे से इस गुस्से को हवा दे रहे हैं। इस पूरी प्रक्रिया में उन्हें पिछड़ा वोटर के बिदकने का खतरा भी नजर आ रहा है, इसी सोच के चलते वे गाइडलाइन के खिलाफ खुलकर कुछ बोलने से बच रहे हैं।

ऐसा नहीं कि बीजेपी में इस आफत की काट नहीं खोजी जा रही होगी। बीजेपी संगठन और सरकार के आलानेता इस जातीय विमर्श को ठंडा करने की कोशिश में जुटे हुए हैं। लेकिन इस समस्या का समाधान ढूंढ़ने में जितनी देर होगी, जाति विमर्श उतना ही बढ़ेगा। अगर सवर्ण समुदाय का गुस्सा ठंडा नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में बीजेपी की चुनौतियां बढ़ सकती हैं।

अवैध तरीके से चल रहे ईंट भट्ठों पर चला प्रशासन का बुलडोजर, भट्ठा संचालकों में हड़कंप

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा क्षेत्र में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर प्रदूषण नियंत्रण और अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को धनौरा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के आदेश पर राजस्व विभाग और प्रदूषण विभाग की संयुक्त टीम ने कई ईंट भट्ठों पर छापेमारी कर उन्हें बंद कराया।

बता दें कि मंगलवार को नायब तहसीलदार योगेश कुमार और प्रदूषण अधिकारी सुरेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में टीम शाहपुर रझेड़ा और मलकपुर भुर शुमाली पहुंची। जांच के दौरान पाया गया कि कई ईंट भट्ठे प्रदूषण विभाग की एनओसी (ठडउ) और रॉयल्टी जमा किए बिना अवैध रूप से संचालित हो रहे थे। बार-बार चेतावनी के बावजूद नियमों की अनदेखी पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया।कार्रवाई के लिए टीम अपने साथ फायर ब्रिगेड और जेसीबी मशीन लेकर पहुंची थी। जिन भट्ठों के पास वैध दस्तावेज नहीं मिले, उनकी आग को फायर ब्रिगेड की मदद से बुझा दिया गया। साथ ही, जेसीबी मशीन चलाकर भट्ठों की चिमनियों और निर्माण ढांचों को आंशिक रूप से ध्वस्त कर दिया गया ताकि उनका संचालन तुरंत रोका जा सके।नायब तहसीलदार योगेश कुमार ने कहा, "नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी ईंट भट्ठे को बख्शा नहीं जाएगा। बिना रॉयल्टी और प्रदूषण विभाग की अनुमति के कार्य करना दंडनीय अपराध है।"प्रशासन की इस अचानक हुई कार्रवाई से क्षेत्र के अन्य भट्ठा स्वामियों में हड़कंप मच गया। कई संचालक कार्रवाई की भनक लगते ही मौके से खिसक गए।प्रदूषण अधिकारी सुरेश कुमार त्रिपाठी ने स्पष्ट किया कि पर्यावरण मानकों का उल्लंघन करने वाले और राजस्व की चोरी करने वाले संचालकों के खिलाफ भविष्य में भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

श्री राम जन्मभूमि आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले स्वयंसेवक को किया आमंत्रित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में गुरुवार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 2083 महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के श्री राम जन्मभूमि मंदिर आगमन पर श्री राम जन्मभूमि आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले स्वयंसेवक को श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट ने सादर आमंत्रित किया है जिसमें अमरोहा नगर के कृष्ण कुमार रोहतास कुमार विद्यार्थी विमल किशोर नीरज रस्तोगी का अमरोहा नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष शशि जैन ने स्वयंसेवकों का स्वागत किया। इस अवसर पर सुगंध शर्मा प्रेम सिंह सैनी अखिल जैन निखिल जैन रामावतार पुरोहित मनोज कुमार अनिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधान के बेटे के अपहरण के मामले में तीन महीने बाद भी दरोगा पकड़ के बाहर, चार्जशीट दाखिल करने में जुटी पुलिस

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला थाना क्षेत्र में सवा लाख रुपये की वसूली के लिए संभल के पूर्व प्रधान पुत्र का अपहरण करने के मामले में सिंभावली थाने के दरोगा के खिलाफ गजरौला पुलिस ने चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी कर ली है। इसके लिए पुलिस हापुड़ जिले के एसपी से अनुमति लेगी।

बता दें कि दरोगा नितिन वर्मा मूलरूप से मुरादाबाद के डिलारी थाना क्षेत्र के निवासी हैं और हापुड़ जिले के सिंभावली थाने में तैनात हैं। उनके खिलाफ गजरौला थाने में सवा लाख रुपये की वसूली के लिए संभल के ऐंचोड़ा कंबोह थाना क्षेत्र के गांव सलेमपुर सालार उर्फ हाजीपुर निवासी पूर्व ग्राम प्रधान अनीस अहमद के बेटे नईम का अपहरण करने का आरोप है। उन पर अनुसूचित जाति की महिला के साथ दुष्कर्म के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देने की धाराओं में भी रिपोर्ट दर्ज है।आरोप है कि दरोगा ने अपने साथियों के साथ मिलकर पिछले 11 दिसंबर 25 को जोया मार्ग पर निमार्णाधीन पुलिस लाइन के निकट से नईम का अपहरण कर लिया था। दरोगा और उसके साथी नईम को कार में डालकर गजरौला लेकर आए थे। यहां उसे एक कार में बैठी महिला दिखाई गई, जिसे अनुसूचित जाति का बताते हुए दुष्कर्म के झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी गई।इस मामले से बचने के लिए पांच लाख रुपये की मांग की गई थी, लेकिन सवा लाख रुपये में सौदा तय हुआ। दरोगा और उसके साथियों ने सवा लाख रुपये लेकर नईम को मुक्त कर दिया था।घटना के तीन महीने बाद भी अपहरण का आरोपी दरोगा नितिन वर्मा पुलिस के हाथ नहीं लगा है। उसने पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट से स्टे ले लिया है। अब गजरौला थाना पुलिस उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी कर रही है।एसएसआई अभिलाष प्रधान ने बताया कि हापुड़ एसपी से अनुमति मिलते ही दरोगा नितिन वर्मा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी जाएगी।

बछरायूं नगर पालिका के लिए पांच नामित सभासदों की सूची जारी, विकास को मिलेगी नई रफ्तार

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के बछरायूं कस्बे की नगर पालिका परिषद के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने पांच नामित सभासदों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में स्थानीय कार्यकताओं और अनुभवी व्यक्तियों को शामिल किया गया है, जिससे क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है।

बता दें कि बछरायूं नगर पालिका परिषद के लिए जिन पांच व्यक्तियों को सभासद मनोनीत किया गया है, उनके नाम इस प्रकार हैं: राहुल प्रजापति आर्य (सुपुत्र सुभाष चंद्र आर्य, निवासी बकाबाद), सुरेश सैनी (सुपुत्र नन्हुआ सैनी, निवासी बकाबाड़), चंद्रपाल सिंह (सुपुत्र दर्शन सिंह, निवासी कानून गोयान), अरुण रस्तोगी (सुपुत्र वेद प्रकाश रस्तोगी, निवासी कानून गोयान) और शेख चरागउद्दीन (सुपुत्र मो. शब्बीर, निवासी बछरायूं)।भाजपा मंडल अध्यक्ष रोहित आर्य (एडवोकेट) ने सभी नवनियुक्त सभासदों को उनके मनोनयन पर बधाई दी।

उन्होंने कहा कि इन कार्यकताओं के परिषद में शामिल होने से बछरायूं के वार्डों में जनहित के कार्यों और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने में आसानी होगी।रोहित आर्य ने आगे कहा, "मैं ईश्वर से सभी नामित सभासदों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी मिलकर नगर के विकास और संगठन की मजबूती के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।"इस घोषणा के बाद नवनियुक्त सभासदों के समर्थकों में उत्साह देखा गया। उन्होंने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे नगर की समस्याओं के समाधान और विकास को प्राथमिकता देंगे।

श्रीवेंक्टेश्वरा संस्थान की सांस्कृतिक प्रकोष्ठ

अध्यक्षा प्रो0 मधु चतुवेर्दी को राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल ने हिन्दी सलाहकार समिति का सदस्य किया नामित

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- भारत सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय के अधीन विश्व प्रसिद्ध रामपुर रजा लाइब्रेरी एण्ड म्यूजियम की अध्यक्षा राज्यपाल ने वेंक्टेश्वरा की मानविकी विभाग की प्रो0, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ0 मधु चतुर्वेदी को हिन्दी सलाहकार समिति का सदस्य नामित करने पर विश्वविद्यालय में एक शानदार अभिनन्दन समारोह आयोजित कर प्रो0 मधु चतुर्वेदी को पटका, पगड़ी, तुलसी पौधा, गंगाजल एवं सम्मान चिन्ह देकर किया सम्मानित। बता दें कि मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान में वेंक्टेश्वरा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की अध्यक्षा प्रो0 मधु चतुर्वेदी को राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल द्वारा हिन्दी सलाहकार समिति का सदस्य नामित किये जाने पर संस्थान में एक शानदार अभिनन्दन व सम्मान समारोह आयोजित कर प्रो0 मधु चतुर्वेदी को शॉल, गंगाजल, तुलसी पौधा, पगड़ी एवं सम्मान चिन्ह भेट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वेंक्टेश्वरा समूह के चेयरमैन अध्यक्ष सुधीर गिरि ने कहा कि यह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि संस्थान के लिए सम्मान की बात नहीं है बल्कि पूरी मातृशक्ति के सम्मान एवं गौरव का मनोनयन है।श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के डॉ0 सी0वी0 रमन सभागार में अभिनन्दन समारोह का शुभारम्भ प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, प्रो0 मधु चतुर्वेदी, प्रभारी कुलपति युवराज सिंह, विख्यात साहित्यकार व ओज के हस्ताक्षर डॉ0 राहुल अवस्थी, कुलसचिव डॉ0 पीयूष कुमार पाण्डेय आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवित करके किया। प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी ने कहा कि आज मातृशक्ति प्रत्येक क्षेत्र में ना सिर्फ पुरूषो के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर कदमताल कर रही है, बल्कि कला, साहित्य, स्पोर्टस, शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान, शोध व नवाचार समेत सभी क्षेत्रों में उनसे चार कदम आगे है। पिछले एक दशक में वेंक्टेश्वरा संस्थान ने मातृशक्ति की उपलब्धियों के बल पर दो दर्जन से अधिक राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियाँ की है।अभिनन्दन समारोह को वरिष्ठ कवि डॉ0 राहुल अवस्थी प्रभारी कुलपति युवराज सिंह, कुलसचिव प्रो0 पीयूष कुमार पाण्डेय आदि ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर ग्रुप एडवाईजर प्रो0 आर0एस0 शर्मा, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 थॉमस, डॉ0 एस0के0 श्रीवास्तव, डॉ0 ओमप्रकाश गोसाईं, डॉ0 सुमन, डॉ0 नीतू पंवार, डॉ0 आरती, डॉ0 ज्योति, डॉ0 विकास पाण्डेय, डॉ0 रीना जोशी, डॉ0 श्रीराम गुप्ता, डॉ0 स्नेहलता, दीक्षा, मारूफ चैधरी, एस0एस0 बघेल, विशाल शर्मा मेरठ परिसर से निदेशक डॉ0 पंकज सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

गजरौला बिजली घर अधिशासी अभियंता कार्यालय पर भाकियू शंकर का धरना प्रदर्शन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह के नेतृत्व में किसानों, मजदूरों, रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं तथा आमजन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर तहसील धनौरा में उपजिलाधिकारी के माध्यम से उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया।

इस अवसर पर चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि तहसील धनौरा व जनपद अमरोहा में कई जनसमस्याएँ लंबे समय से लंबित पड़ी हैं, जिनके समाधान के लिए प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इससे किसानों व आमजन में भारी रोष व्याप्त है।उन्होंने बताया कि धनौरा के रामलीला मैदान के दक्षिणी छोर पर लगभग 40 वर्षों से रोजगार कर रहे गरीब रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को बाउंड्री वॉल निर्माण के नाम पर हटाने का प्रयास किया जा रहा है। यह कार्रवाई बिना सर्वे व बिना वैकल्पिक व्यवस्था के की जा रही है, जो कि स्ट्रीट वेंडर्स (प्रोटेक्शन ऑफ लाइवलीहुड एंड रेगुलेशन ऑफ स्ट्रीट वेंडिंग) एक्ट 2014 की भावना के विपरीत है। संगठन ने मांग की कि जब तक विधिवत सर्वे और पुनर्वास की व्यवस्था न हो, तब तक विक्रेताओं को न हटाया जाए।संगठन ने यह भी मांग उठाई कि तिगरी गंगा घाट की बदहाल स्थिति को सुधारते हुए वहां विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए तथा अंतिम संस्कार अवशेषों के वैज्ञानिक निस्तारण की स्थायी व्यवस्था की जाए। उन्होंने किसान समस्याओं का उल्लेख करते हुए चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि क्षेत्र में गन्ना किसानों का लगभग ड्ड100 करोड़ भुगतान बकाया है, जिसे शीघ्र दिलाया जाए। इसके अलावा किसानों की किसान क्रेडिट कार्ड सीमा ड्ड5 लाख की जाए तथा गन्ना विकास सहकारी समितियों का पंजीकरण ठअइअफ्ऌमें कराया जाए ताकि किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।उन्होंने क्षेत्रीय विकास से जुड़ी मांगों में गजरौला से तिगरी धाम मार्ग पर फाजलपुर रेलवे क्रॉसिंग पर फोर लेन ओवरब्रिज निर्माण तथा नेशनल हाईवे 9 के निकट गजरौला में ट्रॉमा सेंटर की स्थापना की भी मांग की।चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि यदि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो भारतीय किसान यूनियन (शंकर) संगठन किसानों और आमजन के हित में बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगा। उन्होंने कहा कि हम यह ज्ञापन प्रशासन के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी को सौंप रहे हैं और आशा करते हैं कि सरकार किसानों और आम जनता की आवाज सुनेगी।लेकिन हम यह भी स्पष्ट करना चाहते हैं कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो भारतीय किसान यूनियन (शंकर) चुप बैठने वाली नहीं है। किसान अपने अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण लेकिन मजबूत आंदोलन करेगा। इस अवसर पर चौधरी नेमपाल सिंह चौधरी, विक्रम पवार ,हरि सैनी प्रधान,हरप्रीत, हैप्पी ,बलबीर सिंह, मुकेश गर्ग ,शेर सिंह राणा ,सत्यवीर सिंह ,अनिल भटनागर ,रवि चौधरी, अनुज चौधरी ,गोपाल सिंह, इंद्रपाल सिंह ,प्रियंका भटनागर ,बबीता रानी, रश्मि चौधरी, त्रिलोक सिंह ,ज्योति चौहान ,रामपाल नागर, मंजू शर्मा, नीरज कुमार, राकेश रतनपुर, कपिल कुमार ,सत्येंद्र सिंह ,मंजू चौधरी, रामेश्वर सैनी आदि लोग मौजूदरहे।

ब्लॉक स्तरीय एक दिवसीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के कस्बा जोया के एक निजी बैंकेट हॉल में ब्लॉक स्तरीय बेसिक परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों की एक दिवसीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को नई शिक्षा नीति, शिक्षण विधियों तथा स्कूल विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जागरूक एवं प्रशिक्षित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक डॉ. हरि सिंह ढिल्लों ने मां सरस्वती की स्मृति में दीप प्रज्वलित करके किया। उन्होंने शिक्षकों के महत्वपूर्ण योगदान को सराहा और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. ढिल्लों ने कहा कि शिक्षक समाज के निमार्ता होते हैं और उनकी भूमिका राष्ट्र निर्माण में सर्वोपरि है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों से बेहतर शिक्षा प्रदान करने का आह्वान किया।इस अवसर पर कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। साथ ही, ग्राम पंचायत स्तर पर स्थित बेसिक परिषदीय स्कूलों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले ग्राम प्रधानों को भी स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह कदम ग्राम स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर सहयोग बढ़ाने की दिशा में सराहनीय रहा।

इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी जोया भारत भूषण त्यागी,जिला महामंत्री मुकेश चौधरी,जूनियर शिक्षक संघ अध्यक्ष विकास चौहान , पुरूजीत सिंह, ब्लॉक मंत्री हीरा सिंह आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में मुख्य विकास अधिकारी, जिला पोषण समिति के सदस्यों एवं बाल विकास परियोजना अधिकारियों व मुख्य सेविकाओं के साथ जिला पोषण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में धनौरा एवं गजरौला की आंगनबाडी कार्यकत्रियों द्वारा चेहरा प्रमाणीकरण (ऋफ्र) के माध्यम से अनुपूरक आहार के वितरण में कमी पाये जाने पर सम्बन्धित बाल विकास परियोजना अधिकारी व मुख्य सेविकाओं का स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही जनपद के अति कुपोषित बच्चों में सुधार मिशन 84 के माध्यम से सैम एवं मैम बच्चों की संख्या में कमी लाने के निर्देश दिये गये। साथ ही अत्यधिक नाटापन में कमी लाने के भी आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। निदेशालय लखनऊ द्वारा उपलब्ध कराई गई आधार किट को शीघ्रता के साथ एक्टीवेट करने एवं पंजीकृत समस्त 3-6 वर्ष के बच्चों की अपार आई०डी० बनवाये जाने के भी निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी के द्वारा सभी आंगनबाडी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के आयुष्मान कार्ड मासान्त तक पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये गये। एनआरसी में बच्चों के एडमिशन हेतु प्रत्येक माह में 3 बच्चा प्रति सीडीपीओ भर्ती कराने के साथ ही पेयजल, बाला वॉल पेंटिंग, रंगाई-पुताई, पोषण वाटिका, व रेनवाटर हार्वेस्टिंग का कार्य अतिशीघ्र पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना में केन्द्र पर पंजीकृत समस्त मानक पूर्ण करने वाली गर्भवती, धात्री महिलाओं का शत-प्रतिशत पंजीकरण / लाभ प्रदान कराना सुनिश्चित किया जाये।जिलाधिकारी ने सभी ग्रामों में समस्त आंगनवाड़ी केंद्रों पर वजन और ऊंचाई मापने सहित अन्य सभी आवश्यक उपकरण की उपलब्धता शीघ्रता से कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने इस अवसर पर आईसीडीएस के अंतर्गत चलाए जा रहे सभी कार्यक्रमों की बिंदुवार समीक्षा किया। निर्देश दिए कि जो बच्चे कमजोर हैं कुपोषित हैं उनको चिन्हित कर एनसरसी में भर्ती कराया जाए। कहा कि आईसीडीएस द्वारा गर्भवती व धात्री महिलाओ को दिया जाने वाला पूरक पोषाहार का वितरण समय से हो। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला कार्यक्रम अधिकारी ज्ञान प्रकाश तिवारी, समस्त खंड विकास अधिकारी एवं सम्बंधित उपस्थित रहे।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में दो आरोपी गिरफ्तार, फायरिंग में सिपाही घायल

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में पुलिस और आरोपियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक आरोपी गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका साथी अगले दिन गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह व क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना बहजोई पुलिस टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, थाना बहजोई में पंजीकृत अभियोग से संबंधित आरोपी शहीद पुत्र वहीद को सोमवार को ग्राम आनंदपुर चौराहे के पास बहजोई-टिकटा रोड पर मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया। घटनाक्रम के अनुसार, सोमवार शाम शहीद पुत्र वहीद और सुलेमान पुत्र इरसाद मोटरसाइकिल से गौवंशीय पशुओं का वध करने के उपकरण लेकर बहजोई की ओर आ रहे थे। उसी दौरान आनंदपुर चौराहे पर पुलिस द्वारा बैरियर लगाकर चेकिंग की जा रही थी। पुलिस को देखकर दोनों आरोपी पीछे मुड़कर भागने लगे। पुलिस ने उन्हें रुकने के लिए ललकारा, लेकिन वे नाथौस की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर भाग निकले।

भागते समय खराब रास्ते के कारण उनकी मोटरसाइकिल फिसल गई। इसी दौरान आरोपी शहीद ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायर कर दिया, जिससे कांस्टेबल कुलदीप कुमार गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें शहीद की दाहिनी टांग में गोली लगी और वह घायल हो गया, जबकि दूसरा आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने एक तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस नाल में फंसा हुआ, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, एक मोटरसाइकिल, एक छुरी, चापड़ (लोहे का), लकड़ी का हत्था, नीले रंग की प्लास्टिक तिरपाल, रस्सी का टुकड़ा और आसमानी रंग का प्लास्टिक बोरा बरामद किया।

फरार आरोपी सुलेमान पुत्र इरसाद को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मंगलवार को ग्राम भोजपुर की ओर जाने वाले तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। घायल सिपाही और आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

निशुल्क बाल संस्कार केंद्र, बच्चों को दी जा रही शिक्षा के साथ संस्कार

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के हयातनगर क्षेत्र में विश्व हिंदू परिषद की जिला संयोजिका दीपा बाष्णेय द्वारा पिछले तीन वर्षों से निशुल्क बाल संस्कार केंद्र संचालित किया जा रहा है, जहां बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और संस्कारों की सीख दी जा रही है।

दीपा बाष्णेय ने बताया कि इस केंद्र में 2 से 12 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जाती है। उनका उद्देश्य बच्चों को प्रारंभिक अवस्था से ही अच्छे संस्कार देना है, ताकि वे आगे चलकर एक जिम्मेदार और आदर्श नागरिक बन सकें।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों में संस्कारों की कमी देखने को मिल रही है, साथ ही नशे जैसी बुरी आदतों का खतरा भी बढ़ रहा है। ऐसे में केंद्र के माध्यम से बच्चों को नशाखोरी से दूर रहने, ईमानदारी, सहयोग, दया, बड़ों का सम्मान करने और अनुशासन में रहने की शिक्षा दी जा रही है।

केंद्र में बच्चों को दैनिक जीवन की छोटी-छोटी आदतें भी सिखाई जाती हैं, जैसे सुबह जल्दी उठना, अपना बिस्तर स्वयं ठीक करना, पानी आदि काम खुद करना। इसके साथ ही खेल-खेल में बच्चों की स्मरण शक्ति बढ़ाने और उन्हें शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के संस्कार केंद्र समाज के लिए बेहद उपयोगी हैं, जो बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव तैयार कर रहे हैं।

सीएम युवा उद्यम योजना के तहत 116 लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र वितरित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम पहल के तहत स्टेट बैंक क्षेत्रीय कार्यालय रामपुर के तत्वावधान में सीएम युवा उद्यम वृहद ऋण वितरण कार्यक्रम का आयोजन बहजोई स्थित डीआर रिसॉर्ट में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बैंक अधिकारी, शाखा प्रबंधक एवं लाभार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया रहे, जबकि प्रशासनिक कार्यालय के उप महाप्रबंधक सुमन बक्शी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। इसके अलावा क्षेत्रीय प्रबंधक प्रभात कुमार सहित विभिन्न शाखाओं के अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर कुल 116 लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यम योजना युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना के माध्यम से सरकार युवाओं को स्वरोजगार के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रही है, जिससे वे अपना व्यवसाय शुरू कर सकें और अन्य लोगों को भी रोजगार दे सकें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य युवाओं को नौकरी तलाशने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने वाला बनाना है। इसके लिए ऋण प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और डिजिटल बनाया जा रहा है, ताकि योजनाओं का लाभ सीधे पात्र युवाओं तक पहुंचे।

उप महाप्रबंधक सुमन बक्शी ने लाभार्थियों से अपील की कि वे ऋण राशि का उपयोग सही और उत्पादक कार्यों में करें तथा समय पर भुगतान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह योजना युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

कार्यक्रम के दौरान डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के उपयोग पर भी विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने क्यूआर कोड और साउंड बॉक्स जैसी सुविधाओं की जानकारी देते हुए बताया कि इनसे लेन-देन को सुरक्षित, पारदर्शी और आसान बनाया जा सकता है। अंत में अधिकारियों ने सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

किसान यूनियन का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के बैनर तले मंगलवार को किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगम्बर सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया। मासिक बैठक के दौरान किसान नेताओं ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की किस्त न मिलने पर नाराजगी जताई। प्रदेश अध्यक्ष दिगम्बर सिंह ने कहा कि कई किसानों के खातों में अब तक किस्त नहीं पहुंची है, जिससे उन्हें आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा क्षेत्र की अन्य स्थानीय समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। प्रदर्शन के दौरान किसान प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर अपनी मांगों को रखा। प्रदेश अध्यक्ष ने जिलाधिकारी के व्यवहार की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों के साथ वार्ता कर समाधान का आश्वासन दिया। हालांकि, इस दौरान कुछ अधिकारियों के रवैये पर किसान नेताओं ने नाराजगी भी जताई।

चौधरी दिगम्बर सिंह ने कहा कि कुछ अधिकारी किसानों से दूरी बनाकर रखते हैं और उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं करते, जिसे सुधारने की जरूरत है।

किसान यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया,

तो आगामी मासिक बैठक में कलेक्ट्रेट का और बड़े स्तर पर घेराव किया जाएगा।

डीआईजी ने हजरतनगरगढ़ी थाने का वार्षिक निरीक्षण कर दिए जरूरी निर्देश

सम्भल(सब का सपना):- मुरादाबाद परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) मुनिराज ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के साथ थाना हजरतनगरगढ़ी का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान थाना परिसर, हवालात, महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क और अभिलेखों की जांच कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

डीआईजी ने ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत स्थापित सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण करते हुए निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला संबंधी शिकायतों पर प्राथमिकता से त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान अपराध रजिस्टर व अन्य अभिलेखों को अद्यतन रखने, मालखाने में रखे शस्त्रों व दंगा नियंत्रण उपकरणों की साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही मुकदमाती और लावारिस वाहनों के शीघ्र निस्तारण पर भी जोर दिया गया। डीआईजी ने टॉप-10 अपराधियों की सूची की समीक्षा करते हुए उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई तेज करने और वांछित व इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी बढ़ाने के निर्देश दिए। बीट पुलिसकर्मियों को क्षेत्र में सतर्कता बनाए रखने और ग्राम प्रहरियों को छोटी से छोटी घटना की सूचना तत्काल देने के लिए जागरूक किया गया।

निरीक्षण के बाद अधिकारियों के साथ बैठक कर कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर चर्चा की गई। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

12 साल के नोमान खान ने रखा पहला रोजा, शहरवासियों ने बढ़ाया हौसला

सराय तरीन/सम्भल(सब का सपना):- रमजान के मुकद्दस महीने में जहां हर उम्र के लोग इबादत में जुटे हैं, वहीं सराय तरीन के पेठ इतवार मोहल्ला निवासी वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. इरफान खान के 12 वर्षीय बेटे नोमान खान ने पहली बार रोजा रखकर सबका ध्यान आकर्षित किया। इस मौके पर परिवार और शहर के लोगों ने नोमान का उत्साहवर्धन करते हुए उसे फूल-मालाएं पहनाकर आशीर्वाद दिया।

नोमान खान के पहले रोजे को लेकर परिवार में खासा उत्साह देखने को मिला। सराय तरीन स्थित एक मैरिज हॉल में बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए, जहां सभी ने बच्चे की हिम्मत और धार्मिक भावना की सराहना की। रमजान के इस पवित्र अवसर पर बच्चों में भी इबादत के प्रति बढ़ता रुझान देखने को मिला।

शाम होते ही रोजेदारों ने इफ्तार की तैयारियां शुरू कर दीं। मगरिब की अजान से पहले ही दस्तरखान सजाया गया।

अजान के साथ ही रोजेदारों ने खजूर, पानी और शरबत से रोजा खोला तथा अल्लाह तआला से दुआएं मांगीं। इसके बाद विभिन्न व्यंजनों का आनंद लिया गया और अल्लाह का शुक्र अदा किया गया।

इस दौरान पूरे माहौल में धार्मिक उल्लास और आपसी भाईचारे की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में जुगनू खान, मसूद खान, एहजाज खान, तालिब खान, समाजसेवी नाज़िर खान, आगाह खान, गुफरान खान, मेंबर शमी सहित काफी लोग मौजूद रहे। सभी ने नोमान खान के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ईदुल फितर पर पुष्प वर्षा की मांग, सपा नेता ने डीआईजी को सौंपा ज्ञापन

सम्भल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खां के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने ईदुल फितर के मौके पर सम्भल की ईदगाह और शाही जामा मस्जिद पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कराने की मांग को लेकर पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) मुरादाबाद को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन सम्भल के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में दिया गया। ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश में सावन माह के दौरान कांवड़ियों और शिव भक्तों पर हर वर्ष हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की जाती है। इसी तर्ज पर मुस्लिम समुदाय के प्रमुख त्योहार ईदुल फितर के अवसर पर भी ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान का संदेश दिया जा सके। फिरोज खां ने बताया कि रमजान के पवित्र महीने में मुस्लिम समुदाय के लोग रोजा रखकर इबादत करते हैं और इसके बाद ईद का त्योहार मनाते हैं।

भारतीय शिक्षा बोर्ड की जिला स्तरीय संगोष्ठी सम्पन्न, संस्कारयुक्त शिक्षा पर दिया गया जोर

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- भारतीय शिक्षा बोर्ड की जिला स्तरीय संगोष्ठी मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई, जिसमें शिक्षा में भारतीय संस्कृति और संस्कारों के समावेश पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में शिक्षाविदों, अधिकारियों, विद्यालय प्रबंधकों और उद्योगपतियों ने भाग लेकर अपने विचार साझा किए।

संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व आईएएस एवं भारतीय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. एन.पी. सिंह उपस्थित रहे, जबकि मुख्य अतिथि जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया रहे। विशिष्ट अतिथियों में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा और जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार शामिल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों द्वारा वेद मंत्रों के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ. एन.पी. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान पाश्चात्य शिक्षा प्रणाली में भारतीय संस्कृति और संस्कारों का अभाव दिखाई देता है, जिससे छात्रों में नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज के समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल आर्थिक सफलता तक सीमित हो गया है, जबकि चरित्र निर्माण और नैतिक शिक्षा को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने बल देते हुए कहा कि भारतीय शिक्षा बोर्ड का उद्देश्य बच्चों को वेद, शास्त्र, उपनिषद और गीता जैसे आध्यात्मिक ज्ञान के साथ आधुनिक विज्ञान और तकनीक से जोड़ते हुए संस्कारवान और चरित्रवान बनाना है।

जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों में संस्कारों का विकास मुख्य रूप से माता-पिता और शिक्षकों के माध्यम से होता है। उन्होंने कहा कि केवल भौतिक सुविधाओं से युक्त विद्यालयों के बजाय ऐसे शैक्षिक वातावरण की आवश्यकता है, जो बच्चों को भारतीय संस्कृति और मूल्यों से जोड़ सके। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए शिक्षा में वैदिक परंपराओं का समावेश जरूरी है।

कार्यक्रम के बाद डीआर रिसॉर्ट में निजी एवं सरकारी विद्यालयों के प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों के साथ शैक्षणिक संवाद भी आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन सुनील शास्त्री, राज्य प्रभारी भारत स्वाभिमान द्वारा किया गया। इस अवसर पर खंड शिक्षाधिकारी एम.एल. पटेल, पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी विपिन बिहारी, पतंजलि किसान सेवा समिति के राज्य प्रभारी दयाशंकर आर्य, कुलदीप, शिवनंदन सहित कई लोग उपस्थित रहे। साथ ही बड़ी संख्या में विद्यालयों के प्रबंधक, प्रधानाचार्य, उद्योगपति और कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

केनरा बैंक आरसेटी द्वारा आरसेटी बाजार का आयोजन, प्रशिक्षुओं के उत्पादों को मिला प्रोत्साहन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई स्थित केनरा बैंक आरसेटी द्वारा प्रशिक्षुओं के हुनर को मंच प्रदान करने और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ह्यआरसेटी बाजारह्ल का भव्य आयोजन किया गया। इस बाजार में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं द्वारा तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की गई, जिसे लोगों ने काफी सराहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपजिलाधिकारी नीतू रानी मौजूद रहीं। उन्होंने बाजार का अवलोकन किया और प्रशिक्षुओं द्वारा बनाए गए उत्पादों को खरीदकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षुओं से संवाद करते हुए उनके कार्यों की सराहना की और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

नीतू रानी ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं के कौशल विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि आरसेटी जैसे संस्थान ग्रामीण एवं शहरी युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं, जो समाज और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए लाभकारी है। आरसेटी के निदेशक विनीत तिवारी ने बताया कि संस्थान द्वारा विभिन्न प्रकार के कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं, जिनमें सिलाई-कढ़ाई, ब्यूटी पार्लर, मोबाइल रिपेयरिंग, फूड प्रोसेसिंग, हस्तशिल्प आदि शामिल हैं। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से युवाओं को न केवल तकनीकी ज्ञान दिया जाता है, बल्कि उन्हें स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने के लिए भी तैयार किया जाता है।

आरसेटी बाजार में प्रदर्शित उत्पादों में हस्तनिर्मित वस्त्र, सजावटी सामग्री, घरेलू उपयोग की वस्तुएं और खाद्य उत्पाद शामिल रहे। स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर खरीदारी कर प्रशिक्षुओं का हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम के अंत में आरसेटी प्रबंधन ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से प्रशिक्षुओं को बाजार की वास्तविक समझ मिलती है और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन लगातार किए जाते रहेंगे, जिससे अधिक से अधिक युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल सके।

नाले में 65 वर्षीय बुजुर्ग का मिला शव, नशे के हालात में गिरने की आशंका

स्योहारा/बिजनौर।(सब का सपनाः- जनपद के मुरादाबाद मार्ग पर शराब की दुकान के पास स्थित नाले में एक 65 वर्षीय बुजुर्ग का शव मिला। राहगीरों की नजर जैसे ही नाले में पड़े शव पर पड़ी, उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भिजवाया। मृतक की पहचान राम कुमार (60) पुत्र बत्तू सिंह निवासी ग्राम मंडौरी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि राम कुमार शराब के आदी थे। आशंका जताई जा रही है कि बीती रात नशे की हालत में वह अनियंत्रित होकर नाले में गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गई। सुबह राहगीरों की नजर शव पर पड़ी तो इलाके में सनसनी फैल गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सीएचसी भिजवाया। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने पंचनामा भरते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू कर दी थी।

निर्माण कार्य शुरू न होने पर भाकियू टिकैत की चेतावनी, 30 मार्च को महापंचायत का ऐलान

बिजनौर (सब का सपना):- पानीपत-खटीमा नेशनल हाईवे पर बरूकी फ्लाईओवर के दोनों ओर सर्विस रोड और नहर पर पुलिया निर्माण की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने आंदोलन तेज कर दिया है। संगठन ने निर्माण कार्य शुरू न होने पर 30 मार्च को बड़ी महापंचायत आयोजित करने का ऐलान किया है। धरना स्थल पर आयोजित बैठक में भाकियू टिकैत के जिला अध्यक्ष सुनील प्रधान अपने समर्थकों के साथ पहुंचे और कार्यकताओं की समस्याएं सुनीं। इसके बाद विचार-विमर्श कर निर्णय लिया गया कि 30 मार्च को सुबह 11 बजे से निर्माण कंपनी के प्लांट पर अनिश्चितकालीन धरने के बीच महापंचायत आयोजित की जाएगी। जिला अध्यक्ष सुनील प्रधान ने कहा कि दो वर्ष बीत जाने के बावजूद बरूकी फ्लाईओवर के पास सर्विस रोड और पुलिया निर्माण का कार्य शुरू नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन और निर्माण कंपनी द्वारा लगातार वादाखिलाफी की जा रही है और क्षेत्र की समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि भाकियू टिकैत क्षेत्रीय समस्याओं को यूं ही दबने नहीं देगी और समाधान के लिए आंदोलन को और तेज किया जाएगा। सभा में वक्ताओं ने कहा कि सर्विस रोड और पुलिया का निर्माण न होने से स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों और ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की। यह सभा चौधरी नरपाल सिंह की अध्यक्षता और पुखराज मलिक के संचालन में संपन्न हुई। इस दौरान जिला मुख्य महासचिव मुकेश जिंघाला, ब्लॉक अध्यक्ष डॉ विजय चौधरी, तहसील अध्यक्ष चौधरी कोमन सिंह, सोमपाल सिंह, विकास कुमार, जिला उपाध्यक्ष विनीत मौर्य, बृजेश कुमार, संदीप त्यागी सहित अन्य किसान नेता और ग्रामीण मौजूद रहे।

ड्यूटी के दौरान दरोगा की हार्ट अटैक से मौत, पुलिस महकमे में शोक की लहर

बिजनौर (सब का सपना):- नगीना देहात थाने में तैनात दरोगा सुनील कुमार की ड्यूटी के दौरान अचानक हार्ट अटैक से मौत हो गई। घटना सोमवार देर रात उस समय हुई जब वह एक होमगार्ड के साथ क्षेत्र में किसी घटना के सिलसिले में निकल रहे थे। अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल नजीबाबाद के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।
जानकारी के अनुसार दरोगा सुनील कुमार रास्ते में ही असहज महसूस करने लगे और उनकी हालत तेजी से बिगड़ गई। साथ मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। चिकित्सकों ने उनकी मौत का कारण हार्ट अटैक बताया है।
घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी नगीना अंजनेय कुमार, अपराध निरीक्षक योगेंद्र कुमार, नगीना देहात थानाध्यक्ष समेत कई पुलिस अधिकारी अस्पताल पहुंच गए और पूरे मामले की जानकारी ली। इसके बाद पुलिस द्वारा परिजनों को घटना की सूचना दी गई, जिससे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। दरोगा सुनील कुमार मूल रूप से शामली जिले के दयानंदनगर क्षेत्र के निवासी थे और पिछले करीब 20 वर्षों से मेरठ के एकता नगर में अपने परिवार के साथ रह रहे थे। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं। वर्ष 1991 में पुलिस सेवा में भर्ती हुए सुनील कुमार को लगभग 14 वर्ष पूर्व उपनिरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया था। इससे पहले उनकी तैनाती बरेली में रही और इसी वर्ष जनवरी में उनका स्थानांतरण नगीना देहात थाने में हुआ था।
उनके निधन से पुलिस विभाग में शोक की लहर है। अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें कर्तव्यनिष्ठ और समर्पित अधिकारी बताते हुए श्रद्धांजलि दी तथा परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

मौलाना डॉ. फुरकान ने दी ईद की मुबारकबाद, एक्सप्रेसवे को बताया विकास की नई दिशा

बिजनौर (सब का सपना):- ईद के मौके पर मौलाना डॉ. फुरकान मेहरबान अली अल मदनी ने देशवासियों को मुबारकबाद देते हुए त्योहार को मोहब्बत, भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि ईद रोजेदारों के लिए अल्लाह का इनाम है और इस दिन सभी को मिलजुलकर खुशियां मनानी चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि ईद की नमाज से पहले गरीबों में फितरा जरूर बांटें, ताकि जरूरतमंद लोग भी इस खुशी में शामिल हो सकें।
मौलाना ने अपने संदेश में सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि सभी लोग कानून-व्यवस्था का पालन करें और सड़कों पर नमाज अदा करने से बचें। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़े तो मस्जिदों में अलग-अलग समय पर नमाज अदा की जा सकती है, लेकिन किसी भी स्थिति में ऐसा कोई कदम न उठाया जाए जिससे व्यवस्था प्रभावित हो।
उन्होंने 747 किलोमीटर लंबे प्रस्तावित गोरखपुर-पानीपत एक्सप्रेसवे को क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह परियोजना करीब 22 जिलों को जोड़ेगी और प्रदेश के साथ अन्य राज्यों तक आवागमन को आसान बनाएगी। उन्होंने कहा कि इस एक्सप्रेसवे के बनने से दिल्ली-एनसीआर और पंजाब तक सफर सुगम होगा और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। मौलाना डॉ. फुरकान ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश और प्रदेश में विकास कार्यों को गति मिली है। उन्होंने अपनी लिखी पुस्तक एक मजलिस की तीन तलाक एक वाक्या होती है,
तीन नहीं का उल्लेख करते हुए बताया कि इसे इस्लामी दृष्टिकोण से समाज में जागरूकता लाने के उद्देश्य से लिखा गया है। उन्होंने कहा कि यह किताब मुस्लिम समाज में सही जानकारी पहुंचाने और महिलाओं को न्याय दिलाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। अंत में मौलाना ने देश में अमन-ओ-सलामती, भाईचारा और आपसी सम्मान बनाए रखने की अपील की।

मनरेगा में बदलाव के विरोध में कांग्रेस का मार्च, विधेयक वापसी की मांग

बिजनौर (सब का सपना):- मनरेगा में प्रस्तावित बदलावों के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने शहर में जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकताओं ने ह्यविकसित भारत - रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-ग्राम-जी) लागू करने के फैसले के खिलाफ विरोध मार्च निकालते हुए सरकार से विधेयक वापस लेने की मांग की।
प्रदर्शन की शुरूआत बिजनौर स्थित कांग्रेस कार्यालय से हुई, जहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्र हुए। इसके बाद नारेबाजी करते हुए कार्यकताओं ने विकास भवन तक मार्च निकाला। इस दौरान मनरेगा बचाओ और कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद जैसे नारे लगाए गए। मार्च का नेतृत्व जिला अध्यक्ष हेनरिता राजीव सिंह ने किया। प्रदर्शन में शामिल कार्यकताओं ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी देने वाली महत्वपूर्ण योजना है, जिसे कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। उनका आरोप था कि नए विधेयक के जरिए मजदूरों के अधिकारों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा और ग्रामीण गरीबों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो सकता है।
जिला अध्यक्ष हेनरिता राजीव सिंह ने कहा कि मनरेगा महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित योजना है, जो गांवों की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस योजना में बदलाव कर गरीबों के हितों के साथ समझौता किया जा रहा है।

उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे को लेकर लगातार आंदोलन करती रहेगी।
प्रदर्शन में पूर्व सांसद ओमवती देवी, पूर्व आईएएस आर. के. सिंह, सुधीर पाराशर, मुबाशिर जमा खान, विक्रम सिंह, मोहम्मद अकबर, हाजी नसीम, मोहम्मद सलीम, अनिल त्यागी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

एचपीवी वैक्सीन को लेकर प्रशिक्षण, किशोरियों को मिलेगा सर्वाइकल कैंसर से बचाव

बिजनौर (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन को लेकर स्वास्थ्य कर्मियों का ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही किशोरियों के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा, जिससे इस गंभीर बीमारी के मामलों में कमी लाई जा सकेगी।
प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.के. स्नेही ने जानकारी देते हुए बताया कि एचपीवी वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है और इसके जरिए सर्वाइकल कैंसर से बचाव संभव है। उन्होंने बताया कि यह अभियान प्रदेश के 30 जनपदों में चलाया जाएगा, जिसमें बिजनौर भी शामिल है। तीन माह तक विशेष अभियान के रूप में टीकाकरण सप्ताह के सभी कार्य दिवसों में किया जाएगा, जबकि बाद में यह नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत प्रत्येक बुधवार और शनिवार को उपलब्ध रहेगा।
उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी लेकिन 15 वर्ष से कम आयु की किशोरियां पात्र होंगी। यू-विन पोर्टल के माध्यम से अभिभावक स्वयं पंजीकरण कर सकेंगे और ओटीपी के जरिए सहमति दी जा सकेगी। टीकाकरण के बाद प्रमाणपत्र भी पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकेगा।
प्रशिक्षण कार्यक्रम में टीकाकरण की तकनीकी जानकारी भी विस्तार से दी गई। डब्ल्यूएचओ मॉनिटर मोहम्मद मुस्तकीम ने वैक्सीन से जुड़े पहलुओं को समझाया, जबकि एआरओ आलोक कुमार ने रिपोर्टिंग और यू-विन पोर्टल के उपयोग पर जानकारी दी। ब्लॉक प्रतिरक्षण अधिकारी वीर सिंह ने बताया कि वैक्सीन प्राप्त होते ही स्योहारा ब्लॉक में अभियान शुरू कर दिया जाएगा।
कार्यक्रम में एएनएम, एलएचबी, हेल्थ सुपरवाइजर, चिकित्सा अधिकारी शालिनी बिश्नोई, बीपीएम, बीसीपीएम, डीईओ राशि सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे।

स्योहारा में सब्जी मंडी हटाने पहुंचा प्रशासन, पुलिस और बुलडोजर देख मचा हड़कंप

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा के मुरादाबाद मार्ग स्थित सब्जी मंडी को हटाने के लिए सोमवार को तहसील प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची, जिसके साथ पुलिस बल और बुलडोजर भी मौजूद रहे। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अचानक हलचल मच गई और मंडी में मौजूद व्यापारियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।
मौके पर मौजूद नायब तहसीलदार विजय कुमार ने बताया कि शासन के निर्देश पर इस मंडी को हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यहां स्थायी रूप से मंडी लगाई जा रही थी, जबकि इसके लिए कोई वैध अनुमति नहीं ली गई थी। प्रशासन द्वारा मंडी व्यापारियों को पहले ही 9 तारीख तक का समय दिया गया था, लेकिन निर्धारित समय सीमा के बाद भी मंडी संचालित होती रही, जिसके चलते कार्रवाई करनी पड़ी।
दूसरी ओर, मंडी में व्यापार करने वाले लोगों का कहना है कि उन्हें प्रशासन की ओर से कोई लिखित नोटिस नहीं मिला। व्यापारियों ने अचानक हुई कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें पहले से स्पष्ट सूचना दी जाती तो वे वैकल्पिक व्यवस्था कर सकते थे। कई व्यापारी असमंजस की स्थिति में नजर आए और अपने सामान को जल्दबाजी में हटाते दिखाई दिए।
इस मामले में मंडी सचिव अभिषेक शर्मा ने बताया कि 7 तारीख को ही मंडी से जुड़े लोगों को मौखिक रूप से समझा दिया गया था। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जीपीएस फोटो भी उपलब्ध हैं और कुछ व्यापारियों ने लिखित रूप से भी यह दिया है कि उन्हें मंडी हटाने पर कोई आपत्ति नहीं है।
फिलहाल प्रशासन की मौजूदगी में व्यापारी अपना सामान समेटने में जुटे रहे, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही बना हुआ है कि मंडी हटने के बाद सब्जी विक्रेताओं को नई जगह कहां दी जाएगी। इसको लेकर अभी तक कोई स्पष्ट जवाब सामने नहीं आया है, जिससे व्यापारियों में चिंता बनी हुई है।

आरा मशीन दोबारा चलाने पर कार्रवाई, लेखपाल निलंबित—कई लोगों पर एफआईआर के निर्देश

बिजनौर
(सब का सपना):- जिला प्रशासन ने शासकीय आदेशों की अवहेलना और राजकीय भूमि पर अवैध गतिविधियों के मामले में सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी जसजीत कौर के निर्देश पर जानी चौराहा क्षेत्र में सील की गई आरा मशीन को दोबारा संचालित करने के मामले में संबंधित लेखपाल को निलंबित कर दिया गया है, जबकि कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।
प्रशासन के अनुसार 15 नवंबर 2025 को जानी चौराहा स्थित दिलावर एंड सन्स आरा मशीन को राजस्व एवं वन विभाग की संयुक्त टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में सील किया था। इसके बावजूद संबंधित व्यक्तियों द्वारा बिना अनुमति सील को तोड़कर मशीन का संचालन दोबारा शुरू कर दिया गया, जिसे शासकीय आदेशों की खुली अवहेलना माना गया।
इस मामले में कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही और उच्चाधिकारियों को समय पर सूचना न देने के आरोप में क्षेत्र के लेखपाल रजत चौधरी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही तहसीलदार बिजनौर को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है,
जबकि संबंधित कानूनगो और नायब तहसीलदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।
प्रशासन ने इस अवैध कृत्य में संलिप्त जावेद अहमद, इफ्तेखार हुसैन, मकसूद अहमद, इमरान अहमद और वकार के खिलाफ कोतवाली शहर थाने में सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा हनीफ पुत्र शफीक अहमद द्वारा कब्रिस्तान की भूमि (गाटा संख्या 3509) पर निर्मित दुकानों के संबंध में राजस्व संहिता की धारा 67 के तहत नोटिस जारी कर दिया गया है, जिसकी सुनवाई प्रक्रिया जारी है।
जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि राजकीय भूमि पर अतिक्रमण या अवैध संचालन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पालिका कर्मियों और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में तालाब से हटाया गया अवैध कब्जा

बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद स्योहारा ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वार्ड संख्या 21 स्थित मोहल्ला शेखान के तालाब को कब्जा मुक्त करा दिया। इस दौरान प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी में अभियान चलाकर कब्जेदारों को हटाया गया, जिससे स्थानीय लोगों में संतोष देखा गया।
मंगलवार को चलाए गए इस अभियान में नगर पालिका की टीम ने मौके पर पहुंचकर तालाब पर किए गए अवैध कब्जों को हटवाया। अधिकारियों के अनुसार लंबे समय से तालाब पर अतिक्रमण की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद कार्रवाई की योजना बनाई गई।
अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल की मौजूदगी में नगर पालिका कर्मियों ने जेसीबी और अन्य संसाधनों की मदद से अवैध निर्माण हटाए। वहीं किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा। अभियान के दौरान शांति व्यवस्था बनी रही और बिना किसी बड़े विरोध के कार्रवाई पूरी कर ली गई।

अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल ने बताया कि नगर क्षेत्र में सरकारी भूमि और जलाशयों पर अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही तालाब को संरक्षित कर उसके मूल स्वरूप को बहाल करने की दिशा में भी कदम उठाए जाएंगे, ताकि जल संरक्षण को बढ़ावा मिल सके।

मस्जिद चिश्तिया नूरानी में तरावीह के दौरान मुकम्मल हुआ कुरआन, अमन-चैन की दुआ

सम्भल(सब का सपना):- रमजान के मुकद्दस महीने में चन्दौसी मार्ग स्थित नूरियो सराय चिश्ती कॉलोनी की मस्जिद चिश्तिया नूरानी में नमाज-ए-तरावीह के दौरान 27वीं शब के मौके पर कुरआन-ए-करीम मुकम्मल किया गया। इस अवसर पर मस्जिद में खास रौनक देखने को मिली और बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे।
परंपरा के अनुसार रमजान के पहले रोजे से 26वें रोजे तक तरावीह में कुरआन-ए-पाक सुनाने का सिलसिला जारी रहा, जिसे हाफिज शबान रजा संभली ने मुकम्मल किया। कुरआन शरीफ पूरा होने पर नात-ए-पाक और सलातो-सलाम का नजराना निजाम संभली द्वारा पेश किया गया। इस दौरान हाफिज साहेबान की गुलपोशी कर उन्हें नजराने भी दिए गए।
मौके पर हाफिज जाकिर हुसैन ने कहा कि कुरआन मजीद वह पाक किताब है जिसकी हिफाजत का जिम्मा खुद अल्लाह तआला ने लिया है। यह किताब कयामत तक आने वाली तमाम इंसानियत के लिए हिदायत और निजात का जरिया है। उन्होंने हदीस का हवाला देते हुए कहा कि सबसे बेहतर इंसान वह है जो कुरआन को सीखे और दूसरों को सिखाए। हाफिज शबान रजा संभली ने रमजान की फजीलत पर रोशनी डालते हुए बताया कि इस महीने के तीन अशरे होते हैं—पहला रहमत, दूसरा मगफिरत और तीसरा जहन्नम से निजात का। उन्होंने कहा कि इस माह में शैतानों को जंजीरों में जकड़ दिया जाता है, जिससे नेक काम करना आसान हो जाता है। साथ ही शब-ए-कद्र की इबादत को हजार महीनों से बेहतर बताया गया।

कार्यक्रम के अंत में मुल्क और शहर में अमन-चैन की दुआ कराई गई तथा उपस्थित लोगों में मिठाइयां वितरित की गईं। इस अवसर पर हाफिज जाकिर हुसैन, हाफिज शबान रजा संभली, सिराज अहमद चिश्ती, राजा, भूरा, रशीद, आमिर, मोहम्मद नबी, भरेह आलम, हाफिज नवाब, नाज़िम अली, हाफिज मंजर, इलियास, हाजी इसतेखार, फरमान चिश्ती, शारिक, निजाम संभली सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए जल निकासी का मुख्य स्रोत कांठ रोड नाला शीघ्र होगा आरम्भ

अमरोहा (सब का सपना):- नगर क्षेत्र की जलभराव की वर्षो पुरानी समस्या के निदान के लिए पूर्व मे बनाये जा रहे नगर के कांठ रोड नाला जिसका निर्माण कई वर्षो से रुका हुआ था, अब पालिका अध्यक्ष के प्रयासों से शासन द्वारा उसके पुनः निर्माण हेतु धनराशि की घोषणा कर दी गयी है।

उल्लेखनीय है की अमरोहा नगर मे जलभराव की पुरानी समस्या है, इस जलभराव की समस्या के समाधान के लिए अमरोहा नगर के कांठ रोड पर बान नदी तक नाला निर्माण का कार्य आरम्भ किया गया था। कुछ दूर तक ये नाला बनने के बाद इसका कार्य आधर मे लटक गया था। धनाभाव व उचित पैरवी के चलते वर्षो से इस नाले का शेष निर्माण अधर मे लटका हुआ था।

अमरोहा नगर की वर्षो पुरानी इस जलभराव की समस्या के जनहित मे स्थायी समाधान के लिए पालिका अध्यक्ष द्वारा शासन स्तर पर पैरवी करते हुए, मुख्यमंत्री के आशीर्वाद से दीनदयाल योजनान्तार्गत अमरोहा कांठ रोड पर स्थित इस अधूरे नाले के पुनः निर्माण के लिए 19 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गयी। अब शीघ्र ही इस नाले के रुके हुए कार्य को पुनः आरम्भ होने से अमरोहा नगर के बड़े भाग मे होने वाले जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा।

इसी क्रम मे आज पालिका अध्यक्ष शशि जैन द्वारा अपर जिलाधिकारी (वि./रा) जनपद अमरोहा गरिमा सिंह, अमरोहा उपजिलाधिकारी शैलेश दुबे, पालिका उप नगरायुक्त डॉ. बृजेश कुमार सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियो के साथ प्रशनगत नाले का निरीक्षण कर नाले के प्रस्तावित पुनः निर्माण की रूपरेखा पर विचार- विमर्श किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता अखिल जैन, निखिल जैन, पालिका सभासद अंकित गुप्ता, महिपाल सिंह, मोहम्मद दानिश, फहीम अंसारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

निराश्रित कुत्तो के लिए ए.बी.सी. सेंटर का आरम्भ

अमरोहा (सब का सपना):- शासन के आदेशों के अनुपालन मे नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा श्वानवंशीय पशुओ (कुत्तो) के आश्रय स्थल ए. बी. सी. सेंटर (एनिमल बर्थ कण्ट्रोल सेंटर) का उद्घाटन आज पालिका उप नगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार द्वारा पालिका सभासद गण, पालिका स्टॉफ एवं नामित एजेंसी के पदाधिकारियो की उपस्थिति मे किया गया। इस ए. बी. एस. सेंटर मे नगर के निराश्रित कुत्तो के शासन के आदेश अनुसार बांध्यकरण करके, कुत्तो के आश्रय,भोजन, चिकित्सा देखभाल आदि कार्य नामित एजेंसी द्वारा किया जायेगा। अब नगरीय क्षेत्र मे कुत्तो की संख्या पर नियंत्रण किया जा सकेगा। इस सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए पालिका उपनगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार द्वारा बताया गया की शासन द्वारा नगरो मे निराश्रित श्वानवंशीय पशुओ (कुत्तो) की बढ़ती संख्या के नियंत्रण, उनकी देखभाल, उनके भोजन आदि की व्यवस्था कर उनके आश्रय स्थल की स्थापना किये जाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम मे जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन मे नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा पालिका क्षेत्र अहरोई अंतर्गत भवन का चयन कर नगरीय क्षेत्र के कुत्तो को पकड़ कर वैज्ञानिक पद्दित से शल्य चिकित्सा द्वारा बांध्यकरण कर, उनका अग्रिम इलाज, देखभाल, भोजन सहित उनके आश्रय की व्यवस्था किये जाने हेतु जनपद अलीगढ की स्वयंसेवी संस्था जीवदया फाउंडेशन से अनुबंध किया गया है। अब पालिका की इस पहल से पालिका क्षेत्र मे निराश्रित कुत्तो की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण किया जा सकेगा साथ ही इन श्वान वंशीय पशुओ को चिकित्सा, भोजन, आश्रय प्राप्त हो सकेगा। ऐसा करने वाली नगर पालिका परिषद अमरोहा नगर निगम मुरादाबाद के बाद मण्डल की दूसरी एवं जनपद की पहली निकाय बन गयी है। आज इस सेंटर के आरम्भ हो जाने की दिनांक से प्रतिदिन एक वार्ड मे अभियान चलाकर निराश्रित श्वान को पकड़ कर इस सेंटर मे लाकर शल्य चिकित्सा द्वारा उनका बांध्यकरण किया जायेगा।

इस अवसर पर पालिका सभासद अंकित गुप्ता, अंकित धारिवाल, अजय चौहान सही पालिका स्टॉफ एवं नामित संस्था की ओर से पशु चिकित्सक डॉ. ऋषभ अग्रवाल उपस्थित रहे।

झगड़ा करने के बाद पति घर से निकला, पत्नी ने उठाया ये खौफनाक कदम

गुड़गांव, (ब्यूरो): बार गुर्जर पुलिस चौकी क्षेत्र स्थित सिग्नेचर ग्लोबल सोसाइटी के फ्लैट में एक महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। रविवार की रात करीब 1.30 बजे महिला द्वारा आत्महत्या करने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एफएसएल व फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों की टीमों से घटनास्थल का निरीक्षण कराया। मृतका की पहचान कन्हई गांव निवासी ज्योति के रूप में हुई है। वह अपने पति के साथ सिग्नेचर ग्लोबल सोसाइटी के फ्लैट में रहती थी। पुलिस की जांच में सामने आया है कि ज्योति का अपने पति के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। इसके बाद उसका पति दिनेश घर से चला गया था। इसके बाद ज्योति ने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जांच अधिकारी एएसआई प्रदीप ने बताया कि मामले में मृत महिला के मायके वालों को भी सूचना दी गई थी। परिवार वालों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। मृत महिला के शव को मोर्चरी में रखवाया गया है। मंगलवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

मेट्रो बैरिकेड्स से टकराकर पलटी कार, बाल-बाल बचा ड्राइवर

गुड़गांव, (ब्यूरो): सुभाष चौक पर मंगलवार सुबह एक सड़क हादसा हुआ। कार सड़क किनारे लगे मेट्रो निर्माण के भारी-भरकम लोहे के बैरिकेड्स से टकरा गई। टक्कर लगते ही बेरिकेड्स में उलझ कर कार पलट गई। हादसे के बाद राहगीरों ने कार का शीशा तोड़कर बाहर निकाला गया और कार चालक को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टाटा की नैक्सन कार ड्राइवर सामान्य गति से जा रहा था, तभी मेट्रो के बैरिकेड्स में से एक अचानक तिरछा हो गया। कार उसमें उलझ गई और पलटकर सड़क पर जा गिरी। कार में सवार ड्राइवर बाल-बाल बच गया। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है, हालांकि वह सदमे में है। हादसे के बाद सड़क पर जाम लग गया। राहगीरों और पुलिस की मदद से जाम को खुलवाया गया। वहीं, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पलटी हुई कार को सड़क से साइड कराया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि आखिर बेरिकड अचानक तिरछा कैसे हो गया।

चिराग योजनाः आवेदन की दौड़ शुरू, पर सामने आई शिक्षा विभाग की ये बड़ी लापरवाही

चंडीगढ़: चिराग योजना को लेकर शिक्षा विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। विभाग ने सत्र 2026-27 के लिए निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों से खाली सीटों का ब्योरा तो मंगवा लिया लेकिन अब तक स्कूलों को सीटें अलॉट नहीं की गईं। इसके बावजूद 13 मार्च से योजना के तहत आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है जिससे अभिभावकों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ ने इसे शिक्षा विभाग की गंभीर लापरवाही बताया है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष सत्यवान कुंडू ने कहा कि विभाग ने 29 जनवरी से 15 फरवरी 2026 के बीच चिराग योजना के तहत सहमति वाले निजी स्कूलों से खाली सीटों का विवरण मांगा था। स्कूलों ने विभाग की वेबसाइट पर अपनी खाली सीटों की जानकारी भी अपलोड कर दी, लेकिन अब तक शिक्षा निदेशालय ने संबंधित स्कूलों को सीटें आवंटित नहीं की हैं। उन्होंने बताया कि विभाग ने 13 मार्च से 30 मार्च तक आवेदन की तिथि निर्धारित कर दी है, लेकिन सीटें अलॉट न होने के कारण अभिभावक अपने बच्चों के आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। कई अभिभावक स्कूलों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन स्कूल भी असमंजस की स्थिति में हैं। कुंडू ने कहा कि जब किसी भी स्कूल को सीटें ही आवंटित नहीं की गईं, तो अभिभावक आवेदन किस स्कूल में करें। उन्होंने शिक्षा निदेशक से मांग की है कि जल्द से जल्द चिराग योजना के तहत संबंधित स्कूलों को सीटें अलॉट की जाएं।

पुलिस सहित अन्य पदों के लिए आवेदन करने वाले त्रुटियां करा सकेंगे दूर,एचएसएससी अभ्यर्थियों को बड़ी राहत

चंडीगढ़: हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) ने अभ्यर्थियों को बड़ी राहत दी है। जिन अभ्यर्थियों ने पुलिस के 5500 पदों के अलावा अलग-अलग पदों के लिए इस वर्ष निकाली गई भर्तियों के लिए आवेदन किए थे वह त्रुटियां दूर करा सकेंगे। साथ ही जो किन्हीं कारणों से आवेदन से वंचित रह गए थे वह दोबारा आवेदन कर सकेंगे। इन पदों की संख्या करीब 12 हजार है। एचएसएससी अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने सोशल मीडिया पर अभ्यर्थियों को यह जानकारी दी। सोशल मीडिया के माध्यम से अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत ब्योरा जैसे नाम, लिंग, जन्म तिथि, पिता या माता का नाम में कोई त्रुटि है तो उसे ठीक करा सकते हैं। इसके अलावा श्रेणी जैसे दिव्यांग, पूर्व सैनिक आदि श्रेणी को लेकर आवेदन में कोई गलतियां रह गई हैं वह भी ठीक करा सकते हैं। योग्यता और अनुभव, आवेदन किए गए पद और फोटो-हस्ताक्षर से संबंधित त्रुटियों को दूर करा सकते हैं। फॉरेस्टर, स्टेनो, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण में भर्ती को लेकर निकाले गए पदों के लिए दोबारा आवेदन का मौका दिया गया है। जो अभ्यर्थी संबंधित पदों के लिए आवेदन कर चुके हैं उन्हें त्रुटियां दूर कराने का मौका मिलेगा। आयोग के अध्यक्ष ने जानकारी दी है कि उम्मीदवारों की मांग पर आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के लिए वार्षिक पारिवारिक आय सीमा में संशोधन संबंधित सरकारी निदेर्शों पर विचार किया गया। अब ईडब्ल्यूएस के लिए वार्षिक आय सीमा 8 लाख रुपये है।

रमजान के तीसरे अशरे की फजीलत पर डाली गई रोशनी

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- रमजान का मुकद्दस महीना रहमतों, बरकतों और इबादतों का महीना माना जाता है, जो इंसान को नेक रास्ते पर चलने और अपनी जिंदगी को बेहतर बनाने की तरबियत देता है। इस महीने में रखा जाने वाला रोजा इंसान के सब्र, परहेजगारी और खुदा के प्रति उसकी निष्ठा को मजबूत करता है। यह विचार समाजसेवी सोहैल असरार खान ने व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि रमजान का तीसरा और आखिरी अशरा 21वें रोजे से शुरू होकर 29वें या 30वें रोजे तक चलता है, जिसे निजात का अशरा कहा जाता है। इस अशरे का मुख्य उद्देश्य अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी मांगते हुए दोजख की आग से निजात पाना है। इस दौरान मुसलमान ज्यादा से ज्यादा इबादत, तिलावत-ए-कुरआन, दुआ और जिक्र में समय बिताते हैं।

सोहैल असरार खान ने कहा कि रमजान की 27वीं रात को शब-ए-कद्र माना जाता है, जिसे इज्जत और अजमत वाली सबसे अफजल रात बताया गया है। इस रात की खासियत यह है कि इसमें की गई इबादत का सवाब हजार महीनों की इबादत से भी ज्यादा होता है। यही वह मुकद्दस रात है, जिसमें अल्लाह तआला ने इंसानियत की रहनुमाई के लिए कुरआन-ए-पाक को नाजिल किया। उन्होंने आगे कहा कि कुरआन-ए-पाक न केवल धार्मिक मार्गदर्शन देता है, बल्कि यह समाज में इंसाफ, भाईचारे, अमन और इंसानियत का पैगाम भी देता है। इसकी शिक्षाएं हर इंसान को सच्चाई, ईमानदारी और अच्छे आचरण की ओर प्रेरित करती हैं।

अंत में उन्होंने लोगों से अपील की कि रमजान के इस आखिरी अशरे में ज्यादा से ज्यादा इबादत करें, अपने गुनाहों की तौबा करें और जरूरतमंदों की मदद कर इस पाक महीने की बरकतों को हासिल करें। साथ ही समाज में आपसी भाईचारे और मोहब्बत को बढ़ावा दें, ताकि एक बेहतर और शांतिपूर्ण समाज का निर्माण हो सके।

अंबाला में बदमाशों का एनकाउंटर, पिता-पुत्र निकले कुख्यात अपराधी

अंबाला : अंबाला की सीआईए 1 टीम ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए 2 आरोपियों का एनकाऊंटर किया है। बाद में दोनों हत्यारों को मुठभेड़ के दौरान काबू किया है जो रिश्ते में पिता-पुत्र हैं और जिन पर पहले भी करीब 15 मुकदमे चल रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार सीआईए 1 इंचार्ज हरजिंदर सिंह ने बताया कि बीती 12-13 मार्च की रात को आरोपी अंबाला के कालपी गांव में भैंस चोरी करने की नीयत से घर में घुसे और एक व्यक्ति की हत्या कर दी, वहीं दूसरी जगह पर एक व्यक्ति को गंभीर चोट पहुंचाई थी। उस दिन के बाद लगातार पुलिस की कई टीमें कालपी सहा इलाके में गस्त कर रही है। उसी कड़ी में आज अंबाला सीआईए 1 की टीम मुलाना इलाके में चेकिंग कर रही थी।

इस दौरान एक बिना नंबर की बाइक दिखाई दी जिसे रोकने का इशारा किया गया परंतु वह पुलिस नाके को तोड़कर भाग गए जिनके पास हथियार दिखाई दिया। इस उपरांत अधिकारियों को इस मामले में सूचना दी गई और बीटी करवा कर पूरे इलाके में नाकाबंदी करवाई गई और बाइक का पीछा किया गया जो कुछ ही दूरी पर जाकर कच्चे रास्ते की तरफ मुड़ी तो वहां पर गिर गई।

दोनों पर पहले से हैं 14 से 15 मुकदमे बाइक सवारों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी जिसकी जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की। इस दौरान एक शख्स के पांव में गोली लगी और दूसरे के टांग में गोली लगी।बाद में दोनों को काबू कर इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। शुरूआती पूछताछ में पता चला है एक का नाम फरियाद है दूसरे का नाम उस्मान। दोनों उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। दोनों ने ही मिलकर कालपी में भैंस चोरी की वारदात को अंजाम दिया और मालिक की हत्या की थी रिश्ते में पिता पुत्र है पहले भी इन पर 14 से 15 मुकदमे दर्ज हैं।

1 अप्रैल से लागू होंगे ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2026

गुड़गांव, (ब्यूरो): नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने मंगलवार को अपने कार्यालय में अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में वायु प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों को लेकर सख्त रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को मासिक आधार पर हर हाल में पूरा किया जाए.बैठक में ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2026 पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि ये नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू हो जाएंगे। नियमों के तहत नागरिकों के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे, 4-बिन सेग्रीगेशन प्रणाली लागू की जाएगी तथा कचरा प्रबंधन से जुड़ी अन्य जिम्मेदारियों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि इन नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए अभी से तैयारी तेज की जाए.बैठक में सड़क सुधार, ट्रैफिक डी-कंजेशन, डस्ट फ्री अभियान सहित अन्य प्रदूषण नियंत्रण उपायों पर भी चर्चा हुई।

निगमायुक्त ने कहा कि इन सभी कार्यों को भी मासिक लक्ष्य निर्धारित कर तेजी से पूरा किया जाए, ताकि शहर में प्रदूषण स्तर में प्रभावी कमी लाई जा सके।

निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि वायु प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छता प्रबंधन दोनों ही शहर के सतत विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करें, ताकि गुरुग्राम को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाया जा सके। वायु प्रदूषण सुधार कार्यों की हुई समीक्षा बैठक के दौरान निगम द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। निगमायुक्त ने कहा कि वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए चल रहे सभी प्रोजेक्ट्स को समयबद्ध तरीके से पूरा करना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक कार्य की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। बैठक में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि जुलाई से सितंबर के बीच 10 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे तथा अक्टूबर से दिसंबर के बीच अतिरिक्त 10 चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। इसी अवधि में 10-10 बैटरी स्वैपिंग स्टेशन भी स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। निगमायुक्त ने पार्किंग व सीएंडडी वेस्ट सेंटर कार्यों को तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने जानकारी दी कि कमान सराय क्षेत्र में सर्फेस पार्किंग का कार्य जून माह के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा।

बुखार की दवा लेने गया था पहलवान, फार्मासिस्ट ने बना दिया 'अधमरा', 3 दिन बाद आया होश

रोहतकः बुखार होने पर फार्मासिस्ट ने राष्ट्रीय स्तर के पहलवान राजस्थान के नीमकाथाना जिले के गांव सिरोही निवासी विजय लांबा (21) को 11 मार्च को बेहोशी का इंजेक्शन लगा दिया। उन्हें तीन दिन बाद होश आया है। वह छह दिन बाद भी बोलने की स्थिति में नहीं हैं। पुलिस ने उनके बड़े भाई अजय के बयान पर हेल्थ कॉर्नर के फार्मासिस्ट के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस को दी शिकायत में अजय ने बताया उनका छोटा भाई विजय लांबा राजस्थान का राष्ट्रीय स्तर का पहलवान है। तीन बार जूनियर तो दो चार सीनियर वर्ग में राजस्थान की तरफ से राष्ट्रीय स्तर की कुश्ती प्रतियोगिताओं में भाग ले चुका है। डेढ़ साल से रोहतक की देव कॉलोनी स्थित मेहर सिंह अखाड़े में अभ्यास करता है। अजय ने बताया कि 11 मार्च को विजय को हल्का बुखार था। उनके शरीर में दर्द हो रहा था। विजय को उनका दोस्त अनुज दवाई दिलाने के लिए हेल्थ कॉर्नर फामेर्सी पर ले गया। विजय की हालत अब भी खराब है। तीन दिन बाद उन्हें होश आया। छह दिन बाद भी वह बोलने की हालत में नहीं हैं। डॉक्टरों ने उन्हें अनफिट करार दिया है। अजय का कहना है कि उन्होंने डॉक्टरों से बात की। पता चला है कि एट्रैक्यूरियम बेसिलेट इंजेक्शन केवल अस्पताल में एनेस्थेटिस्ट पा प्रशिक्षित स्वास्थ्य पेशेवरों के ओर से ही दिया जा सकता है। डॉक्टरों ने उन्हें बताया है कि इसके लगाने से ब्लड प्रेशर कम होना, त्वचा का फड़कना, घबराहट होना शामिल हैं। फामेर्सी स्टोर संचालक ने विजय को एट्रैक्यूरियम बेसिलेट (बेहोशी) का इंजेक्शन लगा दिया। यह ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों की ओर से शरीर को स्थिर करने के लिए प्रयोग किया जाता है। इससे उनका भाई बेहोश हो गया। पहले उन्हें पीजीआई ले जाया गया जहां से परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

श्री राम जन्मभूमि आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले स्वयंसेवक को किया आमंत्रित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में गुरुवार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 2083 महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के श्री राम जन्मभूमि मंदिर आगमन पर श्री राम जन्मभूमि आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले स्वयंसेवक को श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट ने सादर आमंत्रित किया है जिसमें अमरोहा नगर के कृष्ण कुमार रोहतास कुमार विद्यार्थी विमल किशोर नीरज रस्तोगी का अमरोहा नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष शशि जैन ने स्वयंसेवकों का स्वागत किया। इस अवसर पर सुगंध शर्मा प्रेम सिंह सैनी अखिल जैन निखिल जैन रामावतार पुरोहित मनोज कुमार अनिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

अल्लीपुर भूड़ शर्की में समाजसेवी अबरार सैफी ने पेश की गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल

विगत 5 वर्षों से लगातार आयोजित हो रही है भव्य इफ्तार पार्टी, उमड़ता है हजारों का जनसैलाब

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के ग्राम अल्लीपुर भूड़ शर्की में इन दिनों आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द की एक अनुपम मिसाल देखने को मिल रही है। क्षेत्र के जाने-माने समाजसेवी मोहम्मद अबरार सैफी पिछले पाँच वर्षों से लगातार पवित्र रमजान के अवसर पर विशाल इफ्तार पार्टी का आयोजन कर रहे हैं। इस आयोजन की खास बात यह है कि इसमें जाति, धर्म और ऊंच-नीच के भेदभाव को भुलाकर हजारों लोग एक ही दस्तरख्वान पर साथ नजर आते हैं।

अबरार सैफी का कहना है कि वे इस परंपरा को पिछले पांच वर्षों से निभा रहे हैं। उनका मानना है कि इबादत के इस महीने में लोगों को एक साथ लाना और उनकी सेवा करना ही सबसे बड़ा पुण्य है। उन्होंने बताया कि ईद के समीप आते ही वे अपने आवास पर एक बड़े स्तर पर इफ्तार का आयोजन करते हैं, जिसमें न केवल ग्रामवासी बल्कि क्षेत्र के हजारों गणमान्य व्यक्ति और प्रबुद्ध जन शामिल होते हैं।

इस विशाल आयोजन की सफलता के पीछे अबरार सैफी की टीम का विशेष योगदान रहता है। टीम के सदस्य दिन-रात मेहनत कर व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद रखते हैं ताकि दूर-दराज से आने वाले मेहमानों को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। वर्तमान दौर में, जहाँ समाज को जोड़ने वाले प्रयासों की कमी महसूस की जाती है, वहाँ अबरार सैफी द्वारा बिना किसी राजनीतिक लाभ या भेदभाव के किया जा रहा यह कार्य अत्यंत सराहनीय है।

अबरार सैफी के इस नेक कदम की क्षेत्र के लोगों द्वारा जमकर प्रशंसा की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि अबरार सैफी जैसे युवा समाजसेवी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उनके इस प्रयास से न केवल आपसी प्रेम बढ़ रहा है, बल्कि नई पीढ़ी को भी एकता और सेवा का संदेश मिल रहा है। इस अवसर पर दिलशाद पत्रकार तौफीक पत्रकार आसिफ पत्रकार शाहनवाज पत्रकार सिराज पत्रकार अनीस अहमद मुकेश पत्रकार शकील अहमद सैफी जीशान सैफी क्षेत्र के काफी तादाद में लोग मौजूद रहे।

अगर आपके हाथ पैरों का भी बड़ गया है कालापन तो दूर करने के लिये फॉलो करें यह टिप्स

आमतौर पर अंडरआर्म ज्यादातर लोगों के लिए काला होता है। अत्यधिक पसीने के कारण यहां अंधेरा दिखाई देता है। यह कालापन आत्मविश्वास को कम करता है। इस वजह से महिलाओं के लिए स्लीवलेस और कट स्लीव के कपड़े पहनने का सपना अधूरा है। यदि अत्यधिक पसीने को रोकने के लिए किसी डिओडोरेंट का उपयोग किया जाता है, तो वे त्वचा को और अधिक काला करने का जोखिम उठाते हैं।कोई भी प्राकृतिक उपचार त्वचा के लिए पूरी तरह से सुरक्षित है। इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। जानिए पसीने के कारण त्वचा का कालापन कैसे दूर करें।

संकलो में काले मुद्दे को हल करने का तरीका यहां दिया गया है

दुनहाने के तुरंत बाद कपड़े न पहनें। दो से तीन मिनट प्रतीक्षा करें। इस दौरान शरीर को सामान्य तापमान पर आना चाहिए। बैक्टीरिया के संक्रमण आदि के कारण नमी के कारण होने वाले संक्रमण से बचने के लिए शरीर को ठीक से सूखने दें।

दुअतिरिक्त बालों से बचने के लिए नियमित रूप से शेविंग करते रहें। ऐसा करने से नमी और गंध नहीं आती है। इससे कालेपन से बचा जा सकता है।

प्रसंस्कृत भोजन, शराब और अन्य चीजों के सेवन से बचें जिससे अत्यधिक पसीना आता है, उच्च वसा वाले खाद्य पदार्थों से बचें।

– शरीर में पसीना कम करने वाले पानी, कैल्शियम, बादाम आदि से भरपूर पानी का अधिक सेवन करना चाहिए।

– मौसम के हिसाब से कपड़े चुनें, यानी गर्मियों में कॉटन, थोड़े ढीले कपड़े जिससे ज्यादा तनाव न हो। संकल्प को ज्यादा पसीना नहीं आता।

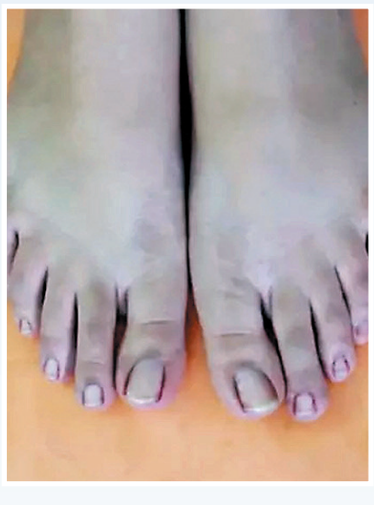

रेस्टोरेंट या बाहर का खाना खाने से अब नहीं बढ़ेगा वजन

वीकेंड हो या कोई त्योहार हम में से ज्यादातर लोग अपने परिवार के साथ अक्सर डिनर और लंच के लिए किसी रेस्टोरेंट में जाना पसंद करते हैं. वहीं घर से बाहर रहने वाले स्टूडेंट या नौकरी करने वाले लोग भी ज्यादातर समय खाना ऑनलाइन ही ऑर्डर करते हैं. ऐसे में हम जब भी खाना रेस्टोरेंट से ऑर्डर करते हैं तो कई लोग सलाह देते है कि बाहर का खाना खाने से वजन बढ़ जाएगा और मोटापा कि समस्या घेर लेगी. क्योंकि, बाहर खाए जाने वाले भोजन में घर के बने भोजन की तुलना में ज्यादा कैलोरी और फैट होती है और बाहर खाना अनजाने में वजन बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है.

हालांकि, कुछ रणनीतियां हैं जिनका उपयोग करके आप भोजन योजना का पालन करते हुए भी बाहर खाने का आनंद ले सकते हैं...

न्यूट्रिशनिस्ट अरबी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि कैसे रेस्टोरेंट के कुछ खास फूड आइटम्स आपका वेट कम करने में आपकी मदद कर सकता है.

होटल या रेस्टोरेंट में खाना खाते या ऑर्डर करते समय इन 10 हेल्दी और वेट कम करने वाले फूड आइटम्स का जरूर रखें ध्यान

सुशी– कम कैलोरी, हाई फाइबर का सबसे अच्छा ऑप्शन है. ब्राउन चावल और सब्जी से भरे इस रोल का ऑप्शन जरूर चुनें.

पनीर टिक्का– हाई प्रोटीन, मीडियम कैलोरी के लिए पनीर टिक्का का ऑप्शन बेहतर है. इसे सब्जियों और साबुत अनाज के साथ खाएं.

वेजिटेबल कबाब

लो कैलोरी, हाई फाइबर से भरपूर ग्रिल्ड या रोस्टेड कबाब का विकल्प चुनें.

भूनी हुई सब्जियां और पनीर

हाई प्रोटीन, मीडियम कैलोरी के साथ भूनी हुई सब्जियां और पनीर का ऑप्शन जरूर चुनें, इसके साथ साबुत अनाज चुनें और ज्यादा सब्जियां खाएं.

सब्जी दाल सूप

कम कैलोरी, हाई फाइबर से भरपूर, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर ऑप्शन के लिए चुनें.

खिचड़ी

कम कैलोरी, हाई फाइबर विकल्प के लिए साबुत अनाज, दाल और सब्जियों से बना खिचड़ी

स्टीम्ड वेजिटेबल डम्प्लिंग

मीडियम कैलोरी, हाई फाइबर विकल्प के लिए साबुत गेहूं या सब्जी आधारित रैपर चुनें.

होल व्हीट मशरूम रैप

मीडियम कैलोरी, हाई फाइबर विकल्प के लिए अधिक मात्रा में सब्जियां खाएं और कम कैलोरी वाले सॉस का चुनाव करें.

क्विनोआ बाउल विद ग्रिल्ड पनीर

हाई प्रोटीन, मीडियम कैलोरी विकल्प के लिए इसे चुनें. बता दें, क्विनोआ फाइबर प्रदान करता है, जबकि पनीर प्रोटीन प्रदान करता है.

बेसन चीला

मीडियम कैलोरी, हाई प्रोटीन ऑप्शन के लिए बेसन, सब्जियों और मसालों से बनाया गया चीला चुनें.

ऑर्डर करते समय, याद रखें...

रिफाइंड अनाज, की जगह साबुत अनाज चुनें.

अधिक मात्रा में सब्जियां और फलियां खाएं.

ग्रिल्ड, रोस्टेड या स्टीम्ड विकल्प चुनें.

ज्यादा कैलोरी और चीनी वाले सॉस और ड्रेसिंग का सेवन सीमित करें.

खूब पानी पियें और मीठे पेय पदार्थों का सेवन सीमित करें. इन विकल्पों को चुनकर, आप अपने वजन घटाने के लक्ष्य और समग्र कल्याण में सहायता करेंगे.

स्किन के लिए गुणकारी है पत्थरचट्टा, जानें कैसे इसका इस्तेमाल कर सकते हैं

स्किन के लिए जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए अक्सर हम कई तरह के घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप भी अपनी स्किन को हेल्दी रखना चाहते हैं, तो पत्थरचट्टा की पत्तियों का भी प्रयोग कर सकते हैं, आइए आपको बताते हैं कैसे इस्तेमाल करें।

खराब जीवनशैली और गलत खानपान की वजह से है कई सारी समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। स्किन से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने के लिए महिलाएं महंगे–महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का प्रयोग कर सकते हैं। आमतौर पर कई महिलाएं पार्लर जाकर मेकअप या स्किन ट्रीटमेंट स्किन को स्वस्थ रखने के लिए किया जा सकता है, इसमें पत्थरचट्टा भी शामिल है। स्किन से जुड़ी समस्याओं से बचाव या राहत का लिए आप अपने स्किन केयर रुटीन में पत्थरचट्टा भी यूज कर सकते हैं। पत्थरचट्टा की पत्तियां एक्ने से राहत दिलाने में मदद करती है। स्किन की एलर्जी कम होती है।

पत्थरचट्टा की पत्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं

पत्थरचट्टा की पत्तियां में फ्लेवोनोइड्स, एल्कलॉइड्स और ग्लाइकोसाइड्स समेत कई बायोएक्टिव कंपाउंड्स पाए जाते हैं। यह आपकी स्किन पर एंटी–इन्फ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट प्रभाव पैदा करते हैं, जिससे खुजली जैसी समस्या से राहत मिल सकती है। आइए आपको बताते हैं कैसे इसका प्रयोग करें।

– पत्थरचट्टा की पत्तियों को कुचलकर थोड़ा सा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपनी स्किन के प्रभावित त्वचा पर 15 मिनट के लिए लगाएं और बाद में गुनगुने पानी से अपना मुंह धो लें। – पत्थरचट्टा की पत्तियों का इस्तेमाल करके आप फेस मास्क के रुप में भी यूज कर सकते हैं। इन पत्तियों का फेस मास्क बनाने के लिए पहले आप इन्हें अच्छे तरीके से ग्राइंड कर

अगर आप एक महीने तक चाय पीना पूरी तरह बंद कर दें तो क्या होगा?

चाय आज के समय में लगभग हर किसी के जीवन का हिस्सा है. रोज सुबह बिस्तर से उठते ही चाय की चुस्की के साथ अपना नींद खोलना बहुत से लोगों को बेहद अच्छा लगता है. वहीं, नाश्ते के समय भी ज्यादातर लोग चाय पीते हैं. ऐसे में देखा जाए तो बहुत से लोग दिन में कई बार चाय का सेवन करते हैं. अधिकतर लोगों को चाय की ऐसी लत होती है कि वे दिनभर में 3 से 4 बार इसका सेवन करते है. हालांकि, अधिक मात्रा में चाय के सेवन सेहत के लिए नुकसानदेह होता है .

एक महीने तक चाय न पीने के फायदे

चाय हमारे देश में लगभग 90 प्रतिशत लोगों का पसंदीदा हॉट ड्रिंक है. कुछ लोगों को सुबह उठते ही चाय पीने की इच्छा होती है, तो वहीं कुछ लोग दिन में अनगिनत बार चाय पीते हैं. क्योंकि चाय में निकोटिन जैसा ही तत्व तंबाकू में भी होता है. लोगों की इसकी लत लग जाती है. चाय एक प्रकार की ऊर्जा और ताजगी का भी सोर्स है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि हम जो चाय रोजाना पीते हैं उसमें मौजूद चीनी की मात्रा स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर सकती है?

चाय प्रेमियों के लिए एक महीने तक चाय न पीना वाकई एक बड़ी चुनौती जैसा होगा, लेकिन चाय पीने की इच्छा पर अंकुश लगाने से उनके स्वास्थ्य को अनगिनत फायदे मिल सकते हैं. आमतौर पर हम जो चाय पीते हैं उसमें चीनी की मात्रा अधिक होती है. इससे कैलोरी बढ़ती है. इसके अलावा स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, चाय में ज्यादा चीनी की मात्रा पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकती है.

एक महीने तक शुगर–फ्री रहने के फायदे

इसलिए अगर आप एक महीने के लिए मीठी चाय पीना बंद कर देते हैं, तो आपका पाचन बेहतर हो जाएगा. इससे वजन भी कम होता है. इतना ही नहीं इससे आपको कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी नहीं होंगी. यदि आप एक महीने तक चीनी वाली चाय नहीं पीते हैं तो, आपके ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहेगा, चीनी के लिए कम लालसा होगी, आप एनर्जेटिक महसूस करेंगे, दांत की सेहत बेहतर हो जाएगी, और संभावित रूप से स्किन साफ हो जाएगा, क्योंकि ज्यादा चीनी का सेवन मुंहासे में योगदान कर सकता है. हालांकि, चीनी को पूरी तरह से छोड़ने के पहले कुछ दिनों के दौरान आपको लालसा और थकान जैसे वापसी के लक्षणों का अनुभव हो सकता है.

कई अध्ययनों से पता चला है कि एक महीने तक मीठी चाय से परहेज करने से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है. मीठी चाय पीने से त्वचा पर दाने और छाले हो सकते हैं. इसलिए बेहतर है कि अपनी त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए मीठी चाय न पियें. चाय पीने की आदत से बचने से सीने में जलन, चक्कर आना और हृदय गति में उतार–चढ़ाव जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है. अगर आपके हाथ कांप रहे हैं तो चाय पीने से समस्या और बढ़ सकती है. इसके अलावा, यदि आप चाय पीना बंद कर दें तो हाई ब्लड प्रेशर सामान्य हो जाएगा.

चेहरा टैनिंग के कारण दिखता है मुरझाया हुआ तो लगा लें ये 5 डी टैन पेस पैक्स, खिल उठेगी त्वचा

धूप चाहे गर्मियों की हो या सर्दियों की, बहुत ज्यादा देर तक त्वचा के संपर्क में आती है तो टैनिंग की वजह बन जाती है. टैनिंग के कारण ऐसा लगता है जैसे चेहरे पर दाग–धब्बे पड़ गए हैं या मैल जम गया है. इस टैनिंग को कम करने के लिए घर पर ही कुछ फेस पैक्स बनाकर लगाए जा सकते हैं. ये फेस पैक्स स्किन पर निखार लाने का काम करते हैं. इनसे टैनिंग हल्की होने लगती है और त्वचा को उसकी खोई हुई चमक वापस मिल जाती है. यहां जानिए कौनसे हैं ये फेस पैक्स और किस तरह इन्हें घर पर ही आसानी से बनाकर चेहरे पर लगाया जा सकता है.

टमाटर का फेस पैक

त्वचा की टैनिंग कम करने में टमाटर कमाल का असर दिखाता है. टमाटर से फेस पैक बनाने के लिए टमाटर के पल्प को निकालें और इसमें थोड़ा सा खीरे का रस मिला लें. आप चाहे तो टमाटर को सादा भी चेहरे पर लगा सकते हैं. टमाटर के पल्प को 15 से 20 मिनट त्वचा पर लगाकर रखने के बाद धोकर हटाएं. त्वचा पर जमी डेड स्किन सेल्स भी निकलने लगती हैं. टमाटर सन डैमेज को कम करने में मददगार होता है.

दूध और हल्दी

टैनिंग हल्की करने के लिए इस सदियों से चले आ रहे नुस्खे को आजमाकर देखा जा सकता है. एक कटोरी में दही लें और उसमें थोड़ी सी हल्दी मिला लें. दही और हल्दी के इस मिश्रण को चेहरे पर रूई की मदद से लगा लें. इसे चेहरे पर लगाकर तकरीबन आधे घंटे रखें और फिर धोकर हटाएं. हफ्ते में 2 बार इस मिश्रण को लगाकर देखा जा सकता है.

बेसन और दही

चेहरे पर बेसन और दही को लगाने पर त्वचा एक्सफोलिएट होती है और चेहरे पर जमी डेड स्किन सेल्ट हटने लगती हैं. बेसन और दही त्वचा से मैल छुड़ाकर त्वचा को दमकदार बनाता है. कटोरी में 2 चम्मच बेसन लें और इसमें जरूरत के अनुसार दही मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें. इस फेस पैक को चेहरे पर लगाकर 15 से 20 मिनट रखें और फिर हल्के हाथों से मलते हुए छुड़ा लें.

मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा

सनटैन दूर करने में मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा का भी अच्चा असर दिखता है. एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में 2 चम्मच एलोवेरा जैल मिलाएं. इस फेस पैक को चेहरे पर 15 मिनट लगाकर रखा जा सकता है. इसे छुड़ाने के बाद चेहरे पर मॉइश्चराइजर लगाना ना भूलें.

मलाई और केसर

मलाई को चेहरे पर सादा या फिर केसर के साथ मिलाकर लगाया जा सकता है. इससे त्वचा का रूखापन दूर होता है, मैल हटता है और टैनिंग कम होने में असर दिखता है. एक कटोरी में चम्मच भरकर मलाई और 1–2 केसर के छल्ले डालकर मिलाएं. इसे उंगलियों पर लेकर चेहरे पर पर मलें. आपको दिखेगा कि चेहरे पर जमा मैल छूटकर निकलना शुरू हो गया है. मलाई को चेहरे पर मलने के बाद पानी से धोकर छुड़ा लें.

शो छोड़ना आसान है पर जिम्मेदारी निभाना चुनौती

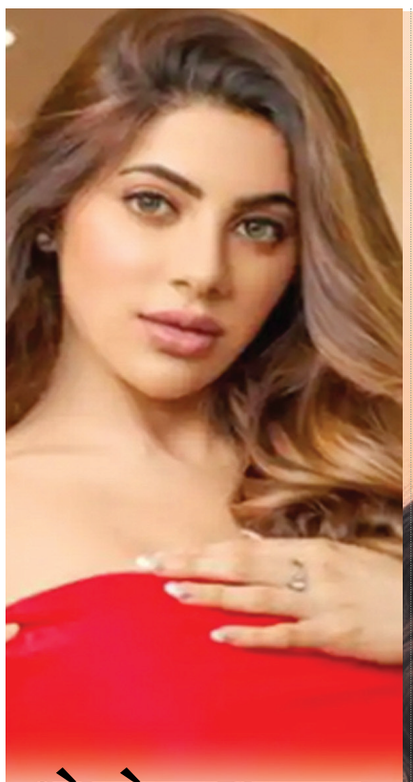

अभिनेत्री निक्की तंबोली रियलिटी शो 'द 50' से बाहर हो गई हैं। उन्हें डबल एविक्शन में शो से बाहर कर दिया गया। शो से निकलने के बाद निक्की ने बुधवार को इंस्टाग्राम के जरिए शो में चल रहे संघर्ष और अपनी हालत के बारे में बात की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक नोट लिखा और अपनी भावनाएं व संघर्ष साझा किए। निक्की ने लिखा, 'कई लोग कह रहे हैं कि जब अरबाज को शो से निकाला गया, तो मुझे भी शो छोड़ देना चाहिए था, लेकिन शो में आने का मतलब जिम्मेदारी और वादा निभाना होता है। भावनाओं में आकर शो छोड़ना आसान लग सकता है पर कमिटमेंट निभाना असली हिम्मत है।' निक्की ने लिखा कि जब मेरे भाई का देहांत हुआ था, तब भी मैं अगले दिन 'खतरों के खिलाड़ी' की शूटिंग के लिए गई थी। उन्होंने लिखा, 'मेरे लिए कमिटमेंट का मतलब यही होता है। भावनाएं सच्ची होती हैं, लेकिन जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। शो ने मुझे हमेशा सम्मान, महत्व और प्राथमिकता दी। कमिटमेंट सिर्फ भावनाओं का नाम नहीं, बल्कि उस हिम्मत का नाम भी है, जब पता होता है कि बाहर लोग आलोचना करेंगे, कहानियां बनाएंगे, फिर भी आप मजबूत रहते हैं।' निक्की ने बताया कि शो में जाने से पहले वे डेंगू से ठीक होकर आई थीं। इसलिए ठीक से परफॉर्म नहीं कर पा रही थीं। उन्होंने लिखा, 'कई लोगों ने मेरी परफॉर्मेंस को जज किया, बिना जाने कि मैं डेंगू से ठीक होकर आई थी। शरीर में थकान, कमजोरी और बहुत ज्यादा थकावट थी। छोटी-छोटी चीजें भी भारी लगती थीं, फिर भी मैं हर दिन हिम्मत से शो में गई।'

उन्होंने कहा कि शो में उनका मुकाबला किसी दूसरे से नहीं बल्कि खुद से था। उन्होंने कहा, 'मेरा असली मुकाबला किसी से नहीं बल्कि खुद से था।अपनी ताकत, सीमाओं और शरीर की लड़ाई से। सबसे कठिन लड़ाइयां अक्सर दिखाई नहीं देतीं। हर दिन वहां पहुंचना, थकान के बावजूद खड़े रहना और हार न मानना यही मेरी असली चुनौती थी। निक्की ने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, 'अगर किसी को मेरी परफॉर्मेंस अच्छी नहीं लगी तो कोई बात नहीं क्योंकि हर दिन मैं वहां जाकर खुद से लड़ रही थी। मेरी असली जीत यही थी कि शरीर हार मानना चाहता था, लेकिन मैं खड़ी रही और आगे बढ़ती रही।'

'मेड इन कोरिया' एक्ट्रेस प्रिया मोहन ने साझा किया कोरिया शूट का दुख

प्रिया मोहन की तामिल फिल्म 'मेड इन कोरिया' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। हाल ही में एक्ट्रेस ने कोरिया में शूटिंग करते हुए आई परेशानी के बारे में एक इंटरव्यू में चर्चा की। साथ ही वहां हुए अपने अनुभव के बारे में भी बताया।

खाना सबसे बड़ा चैलेंज

अभिनेत्री प्रिया मोहन ने बातचीत में अपनी तामिल फिल्म 'मेड इन कोरिया' के काफी कुछ बताया। उन्होंने कहा कि कोरिया में सबसे मुश्किल है खाना मिलना। क्योंकि कोरिया में हर खाने में रेड मीट डाला जाता है वो नहीं खा सकती थीं। आगे एक्ट्रेस ने कहा कि वो मूल रूप से शाकाहारी हैं। मगर उन्होंने कुछ दिनों पहले ही चिकन खाना शुरू किया है। अपने डाइटिंग के वजह से भी वह सब कुछ नहीं खा सकती हैं।

मौसम का बदलना भी एक मुश्किल

प्रिया ने बताया कि वो और शूटिंग यूनिट 40 दिनों तक कोरिया में थीं। इस दौरान खाने के साथ-साथ उन्होंने मौसम के बदलाव को भी एक समस्या है। उन्होंने कहा कि कोरिया का मौसम लगातार बदलता रहता है। अगर सुबह गर्मी होती है तो दोपहर में बारिश हो जाती है। वहीं रात में बर्फ गिरने लगती है। इस मौसम की वजह से काफी शूटिंग में काफी मुश्किलें होती हैं।

काफी एंजॉय की फिल्म की शूटिंग

मेड इन कोरिया एक इंटरनेशनल प्रोजेक्ट है। इसमें कई कोरियन एक्टर्स भी काम कर रहे हैं। प्रिया मोहन ने अपनी बातचीत में कहा कि मुश्किलों के बावजूद उन्हें फिल्म करने में काफी मजा आया। खास तौर पर कोरियन एक्टर्स के साथ एक्टिंग का अनुभव काफी खास रहा। प्रिया ने कहा कि कोरियन एक्टर्स स्क्रिप्ट पढ़ने से ज्यादा स्वाभाविक एक्टिंग पर ध्यान देतें हैं। साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि वह अपने पहले इंटरनैशनल प्रोजेक्ट के लिए काफी खुश हैं।

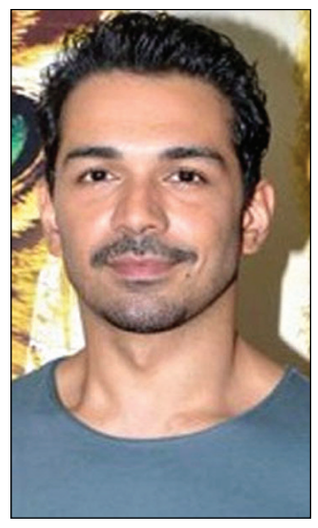

नेगेटिव रोल में दिखेंगे सुधांशु पांडे, अपने 'जटिल' किरदार को लेकर किया खुलासा

टेलीविजन इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता सुधांशु पांडे इन दिनों लोकप्रिय शो 'दो दुनिया एक दिल' में नजर आ रहे हैं। इस सीरियल में वे एक निगेटिव किरदार में नजर आएंगे। हाल ही में उन्होंने खास बातचीत में अपने रोल को लेकर बात की। अभिनेता ने बताया कि उनका किरदार काफी जटिल और लेयर्ड है। इसमें कई ऐसे पहलू दिए गए हैं, जो दर्शकों को चौंका सकते हैं। उन्होंने बताया, 'मैं हर रोल में कुछ नया करने की कोशिश करता हूं ताकि दर्शकों को अनएक्सपेक्टेड मोमेंट्स देखने को मिले और ये सब करना मुझे काफी अच्छा लगता है।' सुधांशु पांडे ने बताया कि शो में उनका किरदार भले ही बाहर से निगेटिव है, लेकिन इसमें कई तरह के डायमेंशन हैं, जो कहानी को धीरे-धीरे सामने लाने का काम करेंगे। सुधांशु पांडे ने कहा, 'मेरी हमेशा से ऐसी किरदार बनाने की होती है जो दर्शकों के दिल में बस जाएं और लंबे समय तक याद रहें। अगर कोई कैरेक्टर दर्शकों से गहरा कनेक्शन बना ले, तो एक अभिनेता के तौर पर मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।' जब उनसे सवाल किया, 'शो में आप एक पिता की भूमिका भी निभा रहे हैं, लेकिन लोगों को लगता है कि आप अभी पिता के रोल के लिए काफी युवा हैं तो उन्होंने कहा, 'पिता बनने का मतलब यह नहीं कि बाल या दाढ़ी सफेद हो जाए। मैं असल जिंदगी में भी पिता हूं। मेरे बच्चे हैं, लेकिन मैं फिट और एक्टिव हूं। समाज में पिता के लुक को लेकर एक स्टीरियोटाइप है, जो गलत है।' उन्होंने आगे कहा कि फिटनेस और एनर्जी हर उम्र के लोगों में होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर कोई शादीशुदा और बच्चों वाला व्यक्ति भी एनर्जेटिक हो सकता है, जबकि बिना परिवार वाला भी अनफिट दिख सकता है। इसलिए हमें ऐसे पुराने विचारों से दूर रहना चाहिए।' शो में डिजिटल क्राइम और सोफिस्टिकेटेड स्कैम जैसे विषय दिखाए जा रहे हैं, जिसको लेकर सुधांशु ने कहा, एजुकेशन और अवेयरनेस दो अलग-अलग चीजें हैं। बहुत पढ़े-लिखे लोग भी स्कैम कर सकते हैं और वही पढ़े-लिखे लोग उनके शिकार भी बन सकते हैं।

शरवरी बनीं इम्तियाज की फिल्म का हिस्सा

शरवरी वाघ इम्तियाज अली की अपकमिंग फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आने वाली हैं। इसमें लीड एक्टर के तौर पर दिलजीत दोसांझ नजर आने वाले हैं। आज फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है। जिसे देखकर फैंस उत्साहित हैं। टीजर में रोमांस से भरी कहानी की झलक दिखी है। इस बीच शरवरी वाघ ने इंस्टाग्राम पर निर्देशक इम्तियाज अली के साथ तस्वीर शेयर की है और एक पोस्ट लिखी है। शरवरी वाघ ने एक पोस्ट में लिखा 'इम्तियाज सर यह कहना कि मैं आपके सिनेमा की बहुत बड़ी फैन रही हूं, कम होगा। आज जब हमारा टीजर आया, तो मैं उस दिन को याद कर रही थी, जब मैंने 3 साल पहले एक क्लास अटेंड की थी। इसे आपने मणि सर के लिए कंडक्ट की थी। मैं वहां ऑडियंस में बैठकर आपके क्राफ्ट, आपके विजन और आप बड़े पर्दे पर जो खूबसूरत दुनिया बनाते हैं, उसके बारे में सुन रही थी।' शरवरी ने आगे लिखा 'मुझे याद है कि मैंने उस दिन इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी डाली थी और सोचा था कि मैं किसी दिन आपकी फिल्म का हिस्सा बनूंगी। मुझे क्या पता था कि मैं एक ऐसा टीजर देखूंगी जिसके आखिर में 'ए फिल्म बाय इम्तियाज अली' लिखा होगा और मैं इसका हिस्सा बनूंगी।' शरवरी ने आगे लिखा 'एक यंग एक्टर के तौर पर, जो स्क्रीन पर अलग-अलग तरह के किरदार में ढलने के लिए बेताब है, मेरे लिए 'मैं वापस आऊंगा' का सफर सबसे अच्छा रहा। यह सिर्फ आपकी वजह से हो पाया। रेकी से लेकर शूटिंग खत्म होने तक और कई लंच और डिनर पर हुईं बातें मेरी यादों में रहेंगी। थैंक्यू सर! आप सिर्फ एक अच्छे फिल्ममेकर ही नहीं, एक अच्छे इंसान भी हैं!'

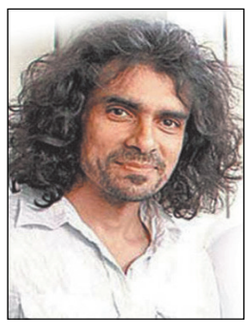

पलाश मुछाल की फिल्म में अहम किरदार निभाएंगे टीवी एक्टर अभिनव शुक्ला

पलाश मुछाल ने अपनी एक अनाम फिल्म की घोषणा कुछ दिनों पहले की है। इस फिल्म को वही निर्देशित करेंगे। इसकी कहानी एक आम आदमी की जिंदगी पर आधारित होगी। फिल्म में लीड रोल एक्टर श्रेयस तलपदे निभाएंगे। अब इस फिल्म में एक टीवी एक्टर भी शामिल हो गया है। इस बारे में सोशल मीडिया के जरिए पलाश मुछाल ने ही जानकारी साझा की है। टीवी एक्टर के साथ एक फोटो भी पोस्ट की है। पलाश मुछाल की फिल्म में टीवी एक्टर अभिनव शुक्ला एक अहम किरदार निभाएंगे। देर रात पलाश मुछाल ने अभिनव के साथ तस्वीर साझा की और फिल्म में उनका स्वागत किया। इस फिल्म में डेजी शाह भी नजर आएंगी।

कई फिल्में निर्देशित कर चुके हैं पलाश

पलाश मुछाल डायरेक्शन में आने से पहले बतौर म्यूजिक कंपोजर बॉलीवुड में सक्रिय थे। फिर वह निर्देशक की भूमिका में आए। अब तक कई फिल्में बना चुके हैं। पलाश ने 'अर्ध' और 'काम चालू है' जैसी फिल्में बनाई हैं। इन दोनों फिल्मों में राजपाल यादव ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

शादी टूटने का मामला भी चर्चा में रहा

पिछले साल के आखिर में क्रिकेटर स्मृति मंधाना और कंपोजर पलाश मुछाल के शादी का मामला खूब सुर्खियों में रहा। इस साल की शुरुआत में स्मृति के दोस्त ने पलाश पर पैसों की धोखाधड़ी का आरोप लगाया। पलाश ने भी मानहानि का मुकदमा ठोका है। इन सभी बातों के बीच वह अपनी अपकमिंग फिल्म से जुड़े अपडेट लगातार साझा कर रहे हैं।

10 जुलाई को रिलीज होगी आलिया-शरवरी स्टारर 'अल्फा'

यशराज फिल्म्स ने अपनी पहली वुमन सेंट्रिक रुपाई फिल्म 'अल्फा' की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर यह फिल्म 10 जुलाई को सिनेमाघरों में आएगी। शिव रवैल के निर्देशन में बनी इस फिल्म में दोनों एक्ट्रेस का मुकाबला विलेन बने बॉबी देओल से होगा। यह फिल्म वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली ऐसी कहानी है, जिसमें फीमेल स्पाई को केंद्र में रखा गया है। करीब डेढ़ साल तक चली शूटिंग में कश्मीर का एक लंबा शेड्यूल भी शामिल रहा। फिल्म के क्लाइमैक्स में हाई-ऑक्टेन फाइट सीक्वेंस को वीएफएक्स आधारित बनाया गया है, जिसके लिए विशेष रूप से हाई स्पीड वाले बोल्ट कैमरा का इस्तेमाल किया गया।

शूटिंग में सीक्रेसी का स्केल भी काफी हाई रहा

शूटिंग के दौरान बॉबी के डेडिकेशन की भी काफी चर्चा रही। बताया जाता है कि उन्होंने लगातार आठ-आठ घंटे की शिफ्ट में काम किया। फिल्म में उनका लुक फिल्म 'एनिमल' से बिल्कुल अलग रखा गया है, जिसमें वे साल्ट-एंड-पेपर दाढ़ी और वेस्टर्न स्टाइल ब्लेजर में नजर आएंगे। शूटिंग के दौरान सीक्रेसी का स्केल काफी ऊंचा रखा गया। क्रू मेंबर्स के मोबाइल फोन तक सेट पर बैन थे। कुछ एक्शन सीन्स को पहले बॉडी डबल्स के साथ शूट किया गया और बाद में फेस रिप्लेसमेंट तकनीक से एक्टर्स के चेहरे जोड़े गए, जिसमें करीब 15 से 20 दिन लगे। 'अल्फा' के सेट पर नई पीढ़ी की झलक भी देखने को मिली। जिमी शेरगिल के बेटे वीर शेरगिल ने भी इस फिल्म में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया है। 'अल्फा' के अलावा शरवरी की अली-अहान वाली फिल्म यूके में 60 दिनों के लंबे शूटिंग शेड्यूल में हो रही शूट निर्देशक अली ने इस फिल्म को स्टूडियो सेट के बजाय रियल लोकेशंस पर शूट करने का फैसला लिया है। इसी वजह से करीब 60 दिनों का लंबा शेड्यूल यूनाइटेड किंगडम में रखा गया है। शूटिंग मुख्य रूप से लंदन, मैनचेस्टर, बर्मिंघम और लीड्स में होगी। इस फिल्म के भी लुक और सीन लीक न हों, इसके लिए सेट पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। बताया जा रहा है कि यह यशराज फिल्म्स के इतिहास के सबसे बड़े सुरक्षा प्रबंधों में से एक है।

विदेशी एक्शन डायरेक्टर्स को भी टीम में शामिल किया गया है...

अहान-शरवरी स्टारर इस फिल्म की कहानी आधुनिक भारत और अंतरराष्ट्रीय पृष्ठभूमि पर आधारित एक एक्शन-रोमांस है। अहान के किरदार में एक्शन के साथ हल्का-फुल्का हास्य भी होगा। यूके शेड्यूल के बाद फिल्म की टीम भारत लौटकर जयपुर में कुछ अहम हिस्सों की शूटिंग करेगी। फिल्म के हाई-ऑक्टेन एक्शन को विश्वस्तरीय बनाने के लिए विदेशी एक्शन डायरेक्टर्स को भी टीम में शामिल किया गया है। अहान और ऐश्वर्य ठाकरे के लिए एक लिमिटलेस एक्शन वर्कशॉप आयोजित की गई। फिल्म में अंतरराष्ट्रीय स्तर का हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट और हाई स्पीड चेज सीक्वेंस भी हैं। अहान पिछले तीन महीनों से एमएमए ट्रेनिंग ले रहे हैं।

शरवरी, अहान पांडे के साथ भी एक एक्शन फिल्म में दिखेंगी

शरवरी वाघ जल्द ही निर्देशक अली अब्बास जफर की नई एक्शन-रोमांटिक फिल्म में अहान पांडे के साथ भी नजर आएंगी। अहान इस नए प्रोजेक्ट की तैयारी में जुटे हैं। इसे भी यशराज फिल्म्स ही बना रही है। फिल्म का पहला शेड्यूल 20 मार्च से मुंबई में शुरू होगा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एक्सीएम पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व ग्राम मुबारकपुर, पोस्ट कलावटी, तहसील धनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/89483, मो0 9456684327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।